अंक :१९ वर्ष: १७ १५ नवम्बर १९८१

सम्पादक: विश्व बन्धु गुप्ता
सहसम्पादिका: मंजुल गुप्ता
उपसम्पादक: कृपा शंकर भारद्वाज
दीवाना तेज साप्ताहिक
८-ब, बहादुरशाह ज़फर मार्ग
नई दिल्ली-११०००२

| | | |
|---|---|---|
| वार्षिक चन्दा | : | ३५ रुपये |
| अर्द्ध वार्षिक | : | १८ रुपये |
| एक प्रति | : | १.५० रुपये |

## मुख पृष्ठ पर

आओ बच्चो तुम्हें दिखाएं
झांकी हिन्दुस्तान की
मजे-मजे में टी॰वी॰ देखो
दूर करो थकान भी
दुनिया के हर रंग मिलेंगे
अच्छे बहुत नजारे हैं
नहीं यहां कोई रोक टोक
बच्चे तो मुझको प्यारे हैं.

## आगामी अंक में

★★

सवाल यह है

★★

नामी चोर

★★

सिलबिल पिलपिल

★★

मोटू पतलू

दीवाना का अंक १५ प्राप्त हुआ—मुख पृष्ठ देख कर तबियत बहुत प्रसन्न हुई। कहानी सरौता सिंह पढ़ कर सरौते सिंह की बात काटने की आदत का पूरा आनन्द उठाया, दूसरे फीचर जानवरों की मेकअप, बुरे फंसे, और सवाल यह है बहुत अच्छे रहे।

हमारी ईश्वर से प्रार्थना है कि दीवाना दिन दुगुनी रात चौगुनी तरक्की करता रहे!

महेश कौल, करनाल

दीवाना अंक १५ मिला. सभी फीचर बहुत अच्छे लगे। चैक चक्करम ने तो तबियत प्रसन्न ही कर दी। मैकनरो का पोस्टर तथा उनके विषय की जानकारी के लिये बहुत धन्यवाद—भविष्य में भी इसी प्रकार अच्छे पोस्टर छापें।

अहमद मियां, बिजनौर

दीवाना का अंक पन्द्रह मिला—मुखपृष्ठ पर चिल्ली को बैल पर निशान लगाते देख हंसी रुक न पाई। फीचर मोटू पतलू, लल्लू, जानवरों के संग नये रंग, फैन्टम के कारनामे पढ़ कर मन खुश हो गया
गरीब चन्द की डाक सिलबिल भी खूब रहे
पूनम ढिल्लों की जानकारी का धन्यवाद—इसी प्रकार नई सिनें तारिकाओं की जानकारी देते रहा करें— धन्यवाद

अनिता रानी, कानपुर

नामी
चोर

कमाल हो गया गुरू, यह खुर्पा हाथ
देखें हमें सुरंग खोद कर जेल से भागने

कमाल हो गया चेले. फटाफट खोदे चल सुरंग
चालाकी पर

कमाल हो गया
बाहर
चार खुर्पे मारने

ादिमयुग
गर्कदेवसिंह? राम जी आप बहुत दिनों से दिखाई नहीं दिये। क्या बात है, अपनी गुफा में छिपे रहते हो ?
काले थन की समस्या ?
आजकल मेरा सारा दिन अपने जंगली सरदार की गुफा में बीत जाता है। सरदार चाहता है कि जंगल में काले थन की समस्या खत्म कर दी जाये।
न में काली मुर्गियां और काली गायें कुछ जंगलियों
अपनी-अपनी गुफाओं में इकट्ठी कर रखी है। इससे
ली समाज में बहुत असमानता पैदा हो रही है। चन्द
ली उन काली गायों के थनों का दूध पी और काली
यों के अंडे खा कर ज्यादा मोटे और तगड़े हो रहे हैं
जंगली इनके अभाव में कमजोर रह जाते हैं।
या बहुत पेचीदा हो गयी है।
वित्तमंत्री इन काली गायों और काली मुर्गियों को
ाने के लिए एक नयी स्कीम चलाने वाले हैं।
ीम के अनुसार जंगली रिजर्व बैंक काली गायों
ाली मुर्गियों के बदले एक-एक सुअर देगा।
इसलिये इस स्कीम का नाम सुअर बांड स्कीम रखा गया है। काली मुर्गियों व गायों के बदलवाने वाले जंगलियों के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की जायेगी।
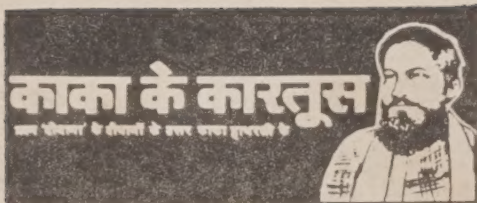
**लवली सिंह नंदा, रामगढ़ केन्ट**

**प्र०:** प्यार के चक्कर में मजनूँ बनना कैसा रहेगा?

**उ०:** लव का मतलब समझलो, बेटा लवलीलाल।
मजनूँ पागल हो गया, हुआ हाल-बेहाल।।

**एम० पी० सेतिया, लुधियाना**

**प्र०:** **मुहब्बत करने वालों** की हमें हालत बताई है।
बगल में बिस्तरा और सर पे होती चारपाई है।।

**उ०:** बैड खाली है फिर भी सोचता है इश्क का रोगी।
कि उस पर कोई कमसिन सुंदरी लेटी हुई होगी।।

**श्यामलाल गगनानी, मुरतिजापुर**

**प्र०:** महँगाई के कारण काकी आपको बिना चीनी की चाय पेश करे तो?

**उ०:** लाली जी के होठ से प्याली देयँ छुवाय।
चीनी-शक्कर के बिना चाय मधुर बन जाय।।

**गिरीशचंद्र अग्रवाल, विदिशा (म०प्र०)**

**प्र०:** यदि कोई प्रेमिका प्यार के इज़हार पर चप्पल मार दे तो?

**उ०:** उस चप्पल को चूमकर, लीजे ह्रदय लगाय।
एक और लग जाय तो, डबल प्यार हो जाय।।

**इकबाल हुसेन, अमरावती (महाराष्ट्र)**

**प्र०:** जब दो-चार औरतें इकट्ठी हो जाती हैं, तो ज़ोर-ज़ोर से बातें क्यों करती है?

**उ०:** गप-गप गप्पें हाँकती, लप-लप चले जुबान।
विजय होय उस नारि की, जिसका स्वर बलवान।।

**अशोक गुप्त, नरकटियागंज (बिहार)**

**प्र०:** धर्म-पुण्य का प्रदर्शन करने वाले क्या अपने पापों को छुपाने का प्रयत्न नहीं करते?

**उ०:** गंगाजी की धार में गोता चार लगाय।
थोड़े से ही खर्च में पाप-ताप धुल जाँय।।

**जमालुद्दीन, किलागेट, हाथरस**

**प्र०:** किसी लड़के की शादी उसकी मर्जी के खिलाफ़ हो रही हो तो?

**उ०:** इश्क जिससे चल रहा हो, फिक्स उसको कीजिए।
उसके अब्बाजान को डब्बा में बंद कर दीजिए।।

**रामनिवास 'व्याकुल' जयपुर (राज-स्थान)**

**प्र०:** राजस्थान के मुख्यमंत्री ने महादेवी वर्मा के प्रति जो शब्द कहे, क्या आप उनसे सहमत है?

**उ०:** कवयित्री कविता रचे, राज-काज असमर्थ।
कविता छोड़ 'पहाड़' से क्यों टकराईं व्यर्थ?

**काका के कारतूस**
**दीवाना साप्ताहिक**
**८-बी, बहादुरशाह ज़फर मार्ग**
**नई दिल्ली.**

# आपका भविष्य

पं० कुलदीप शर्मा ज्योतिषी सुपुत्र दैवज्ञ भूषण पं० हंसराज शर्मा
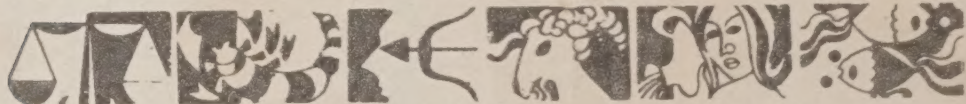
**मेषः** आय में वृद्धि, सरकारी कामों में सफलता, ऋण आदि के कामों में परेशानी पर व्यर्थ का कलह-क्लेश, मित्र सहयोग देंगे लाभ पहले जैसा ही होगा.

**वृषः** कारोबार आगे बढ़ेगा, कोई रुका काम बन जाएगा, आय में वृद्धि, यात्रा हो तो सफल, परिश्रम अधिक, घरेलू चिन्ता, किसी बन्धु से बिगाड़, कारोबार ठीक चलेगा,

**मिथुनः** शुभ कामों में रुचि, लाभ खर्च बराबर, हालात ठीक होने लगेंगे, अधूरा काम बन जाने की आशा है, बड़ों से कुछ चिन्ता, कारोबार ठीक चलेगा. आय उत्तम,

**कर्कः** शारीरिक कष्ट या मानसिक चिन्ता, सुस्ती का प्रभाव रहेगा, हालात पहले से ठीक होंगे, पर भाग्य पूरा साथ न देगा, धर्म-कर्म में रुचि,

**सिंहः** व्यापार से यर्थाथ लाभ, परिवार से सुख, सेहत को संभाले रखें, चोट आदि लगने का भय है, घरेलू हालात से चिन्ता, व्यय भी अधिक होगा, परिश्रम अधिक.

**कन्याः** व्यय बढ़ेगा, कामों में रुकावट और देर से बनेंगे आय का साधन बनेगा या बृद्धि होगी, व्यय कुछ कम, परिवार से सुख, कामधन्धा ठीक चलेगा, हालात में सुधार

**तुलाः** आमदनी अच्छी, यात्रा सफल रहेगी, व्यय अधिक और अचानक हीं, अफसरों से कुछ परेशानी, कामों में रुचि कम, आय यथार्थ होगी, कारोबार से लाभ बढ़ेगा.

**वृश्चिकः** वातावरण ठीक रहेगा, सोशल कामों में रुचि एवं व्यय भी होगा, लाभ समय पर होता रहेगा एवं कारोबार भी सुधरेगा, बड़ों से कुछ चिन्ता, व्यापार मध्यम.

**धनुः** कारोबार बढ़ेगा, आय में वृद्धि पर देर से मिलेगी, व्यय यथार्थ आय भी आशा अनुसार होगी, परिवार से सुख, अफसरों से मेल-जोल, साहस शक्ति बढ़ेगी

**मकरः** सावधानी से रहें, यात्रा में कष्ट या हानि, व्यय बढ़ेगा, हालात सुधरेंगे, आय-व्यय समान, सोशल कामों में रुचि, यात्रा सफल रहेगी, कारोबार ठीक चलेगा,

**कुम्भः** कोई शुभ सूचना या लाभ, स्त्री पक्ष से चिन्ता बनेगी, आर्थिक कठिनाई बन सकती है. कामों में भी परेशानी का सामना होगा, मित्रों से सहयोग, हालात सुधरेंगे,

**मीनः** मुकदमें आदि में परेशानी एवं व्यय भी काफी होगा, विशेष सूचना मिलेगी, यात्रा अचानक ही करनी पड़ सकती है, दोस्त साथ देंगे, आय-व्यय यथार्थ.

# पनिया कैसे भरूँ

अखिलेश्वर

कवि सम्मेलन में हूट होने के बाद संयोजक की गालियां सुन कर वापस लौट रहा था और सोच रहा था कि आज के बाद कविता करना बंद कर दूंगा. अब से बच्चों को लग्न से पढ़ाया करूँगाऔर अपने अध्यापक जीवन को सफल बनाऊँगा. अचानक वातावरण में गूँजती हुई एक स्वर-लहरी कानों में पड़ी, ''पनिया कैसे भरूँ, होऽऽऽ पनिया कैसे भरूँ.''

मेरे कान खड़े हो गए. सोचा कोई अबला मुसीबत में है. अवश्य ही कोई गली-मुहल्ले का दादा उसे पानी भरने से रोक रहा होगा. लेकिन बात समझ में नहीं आई. इस आधी रात के समय पानी भरने का क्या मतलब? फिर पानी भरने से किसी अबला को रोका गया है तो पुरुष कंठ क्यों चिल्ला रहा है कि पनिया कैसे भरूँ? मेरे कदम आवाज की दिशा में मुड़ गए. कुछ ही दूर चला था कि सारा रहस्य समझ में आ गया.

श्री श्याम कीर्तन मंडली का अखंड कीर्तन चल रहा था. भक्त जनों का चीमटा बज रहा था, खड़ताल खनक रही थी. सब भक्तों का बाँस जैसा दिखने वाला एक मोटा भक्त गला फाड़ कर चीख रहा था, 'मैं जल जमुना भरने को जाऊँ आ गए नंद जी के लाल, पनिया कैसे भँरू.''

तो यह बात है, गीत संगीत का कार्यक्रम चल रहा है, मैंने सोचा. ढोल की आवाज सुन कर डोम के पाँव स्वतः ही थिरकने लगते हैं. सो इस गीत का मिसरा सुनते ही मेरे कदम भी मंडली की ओर बढ़ने लगे.

अहा! क्या रंग था, क्या शोभा थी. कार्यक्रम पूरी ऊँचाइयों पर था. मुख्य भक्त माइक को मुँह से सटा कर ऊँची आवाज में दो पंक्ति बोलकर रुक जाता था. फिर चीमटों, खड़तालों और तबलों वाले भक्त उन्हीं पंक्तियों को दोहराते थे—पनियां कैसे भँरु.

मैं निराशा में डूब गया. मुख्य भक्त के प्रति ईर्ष्या के भाव जाग उठे. हाय, एक यह है जिस की एक-एक पंक्ति को सैंकडों कंठ दोहरा रहे हैं और एक मैं जो कविता की पहली पंक्ति पर ही अंडों और टमाटरों का शिकार हो गया. पंक्ति का दोहराना तो दूर श्रोता उसे शान्ति से सुन भी न सके.

मुख्य भक्त तन्यमता पूर्वक अपनी रचना की अगली पंक्तिया बोल रहा था, 'मैं ग्वालिन ब्रज की अति भोरी,
आ गए नंद जी के लाल, पनियां कैसे भँरू.''

सैंकड़ों नर-नारी कंठ पीछे-पीछे चिल्लाये,''आ गए नंद जी के लाल, पनिया कैसे भँरू. विभोर होकर भक्त ने एक लम्बा आलाप लिया और अगला शेर अर्ज कर दिया
''ताता सा पानी साबुन की टिकिया नहा गए नंद जी के लाल पनिया कैसे भरूँ भक्ति भरी अनुगूंज उठी, ''नहा गए नंद जी के लाल, पनिया कैसे भरूँ.''

मुझे से न रहा गया. इतनी दाद मिले तो ऐसी- ऐसी रचनाएं मैं प्रतिदिन एक दर्जन के हिसाब से लिख दूं. मेरी विह्वलता बढ़ गई. खिसकर माइक के पास हो गया और मौके का शेर गढ़ कर प्रस्तुत कर दिया -
'सोने की थाली में भोजन परोसा
खा गए नंद जी लाल पनिया कैसे भरूं.''
मेरा कहना था कि पीछे पीछे सैकड़ों कंठ

बोल उसे— "खा भए नंद जी लाल,
पनिया कैसे भरूँ"
मुख्य भक्त ने क्रुद्ध दृष्टि से मेरी ओर इस तरह देखा जैसे मैंने उनकी शान में कोई बड़ी गुस्ताखी कर दी हो. माइक अपनी ओर खींचते हुए वे चिल्लाये, "यह अशुद्ध है, गलत है. खाने का और पानी भरने का आपस में कोई सम्बन्ध नहीं है."

मैंने माइक के अभाव में गला फाड़ कर तर्क दिया, "आने, जाने और नहाने का पानी से सम्बन्ध है, तो खाने का क्यों नहीं है? अवश्य है, खाने के बीच में पानी पीना तो बड़े-बड़े डाक्टर भी बताते हैं. आप मेरी रचना की लोकप्रियता से जल रहे हैं.'
"गलत, एकदम गलत". वे काँपते हुए बोले, 'भगवान कभी खाना नहीं खाते. वे केवल भाव के भूखे होते हैं तुम बिलायती तालीम पढ़कर भगवान का उपहास कर रहे हो."

उनके इस कथन का भक्तजनों पर आश्चर्यजनक प्रभाव पड़ा, सबकी भृकुटियाँ तन गईं और मेरी ओर आग्नेय नेत्रों से देखने लगे.

मुख्य भक्त इस दृश्य से उत्साहित हुआ, बोला, 'नास्तिक है, रंग में भंग डालने आया है, इसे पकड़ कर मारो," सहसा सबके सब भक्त जन चिमटे और खड़तालें ले कर मेरी ओर लपके. मुझे अपने जीवन की अन्तिम घड़ी निकट आई दिखाई देने लगी,

कभी छात्र जीवन में दौड़ की प्रतियोगिता में भाग लिया करता था. दौड़ की बारीकियाँ सिखाने वाले उस्ताद जी की बात एकाएक याद आई, 'मार्क ऑन यूवर फूट—गो.'

मैं तुरंत अपने जूते उठाये और पाँवों को सर पर रख कर सरपट भागा. सीधा घर आकर दम लिया और कानों के हाथ लगाया कि अतिरिक्त आय के लिये दो ट्यूशन पढ़ा लिया करूँगा पर कीर्तनों और कवि-सम्मेलनों से सदा परहेज करूँगा.

# मोटू पतलू

कहते हैं हर आदमी के अच्छे और बुरे दो रूप होते हैं. पिछले दिनों घसीटा राम का अच्छा और ईमानदार रूप साक्षात दूसरा घसीटा राम बन कर उसके अन्दर से बाहर निकल आया था और उसने बुरे और बेईमान घसीटा राम को अच्छा आदमी बनने की नसीहत देनी शुरू कर दी थी. उस से तंग आ कर बेईमान घसीटा राम ने अपने ईमानदार रूप के सर पर लकड़ी दे मारी थी और उसे मरा समझ कर बाथरूम में बन्द कर दिया था, यह सोच कर कि मौका मिलने पर मिट्टी का तेल डाल कर जला दूंगा.

उन्हीं दिनों बदमाशों के एक गैंग ने घसीटाराम को टा कर उस से छोटे बच्चों का एक स्कूल खुलवाया था और बच्चों को स्कूल की वैन में बिठाकर घसीटा राम समेत उन सब का अपहरण कर लिया. घसीटा म किसी गैंग के चक्कर में फंसा हुआ था है, यह किसी को पता नहीं था और पुलिस इस नतीजे पर हुंची थी कि बच्चों का अपहरण घसीटा राम ने किया बच्चे और घसीटा राम एक उंची बिल्डिंग में कैद हैं. इसके बाद के हंगामे आगे प्रस्तुत हैं.
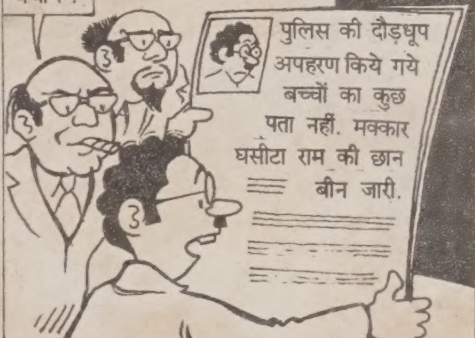
हां बेटे, हमारी कीमत हमें मिल जाये तो हम तुम्हें छोड़ देंगे. अब बताओ, हम तुम्हारी फिरौती के लिये किसे लिखें? कौन है जो तुम्हें जिन्दा और सही सलामत पाने के लिये हमें ५०,००० हजार रुपये देने को तैयार हो जाये.

कोई मेरे लिये पांच गंडेरियां देने वाला भी नहीं है इस संसार में. पांच सौ जूते मारने वाले हजारों मिल जायेंगे

चलो यह हम तुम्हें बाद में बतायेंगे कि हम पत्थरों में से भी तेल कैसे निकालते हैं. पहले जो हम कहें तुम इस कागज पर लिखो.

यह तो सरासर धांधली है. तुम मुझे मुफ्त में ब्लैकमेल कर रहे हो.

मुफ्त में नहीं बेटे, पहले पेट भर कर नांवा चटाया है तुम्हें.

चलो, आगे लिखो.

अब बारी-बारी बच्चों के घर वालों को फिरौती के लिये खत लिखो. सभी बच्चे अमीर घरानों के हैं. बड़ी मोटी मोटी रकमें हाथ आयेंगी

सब स पहल बंटी को लो. बंटी का बाप चार पैट्रोल पम्पों का मालिक है. उससे मोटी रकम हाथ आयेगी.

लिखोः बाबू दया राम जी
आपका बंटी मेरे कब्जे में है अगर आप चाहते कि मैं उसे सही सलामत आप को लौटा दूं तो आ आज शाम को पांच बजे पचास हजार रुपया बुद्ध जैन्ती पार्क के मेनगेट के सामने खड़े हो जाइ मैं रुपया लेकर आधे घंटे बाद बच्चा आप को लौ दूंगा. पुलिस को खबर की तो बच्चा आप को जिन्दा नहीं मुर्दा हालत में लौटाया जायेगा.

दूसरी ओर डिटैक्टिव चेला राम, जूडो मास्टर और आचार्य चतुर सैन शास्त्री छान बीन करते घसीटा राम के घर पहुंच गये थे और वहीं गैंग का एक सदस्य भी घूम रहा था.
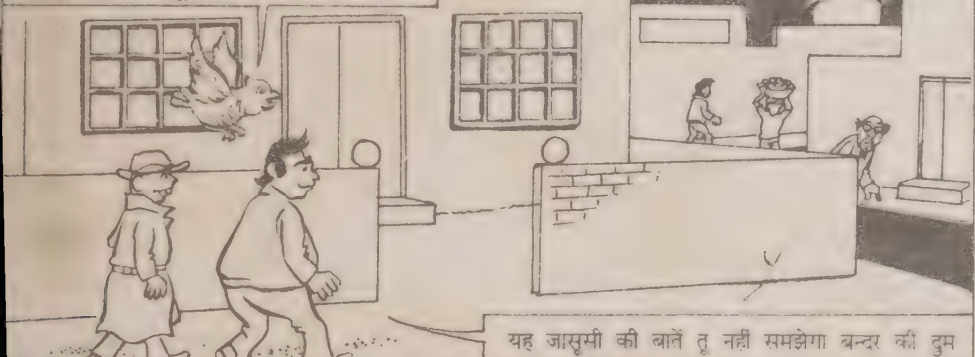
घसीटा राम के घर के अन्दर पहुंचे और उन्होंने बाथरूम का दरवाजा खोला तो वहां फर्श पर पड़े घसीटा राम को देख कर दंग रह गये.

बाहर गैंग का आदमी मौके की ताक में था

यह क्या मुसीबत है.

पत्थर के साथ एक कागज बंधा
देखना क्या लिखा है इस में?

मैं बच्चों का अपहरण करके वहां
आ गया हूं जहां
मुझ तक नहीं पहुंच सकते. मेरी खोज करने
वाले अपनी जान खतरे में न डालें.
मैं पचास हजार से कम रुपया लिये
बिना किसी बच्चे को नहीं छोड़ूंगा.
जान प्यारी है वह
से डर जाये.
अपहरणकर्ता
घसीटा राम
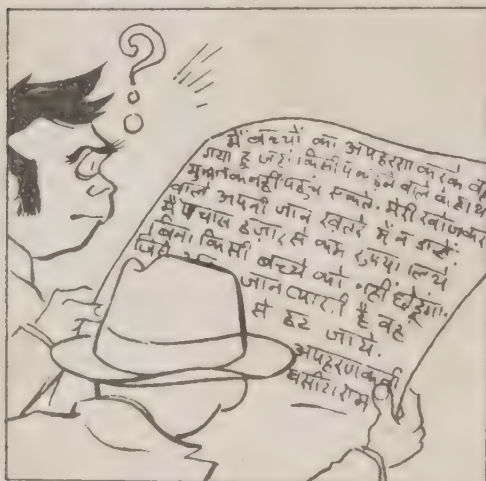
मरा नहीं है, सांस चल रही है
और यहां कोई गहरी चाल भी चल रही है. पत्र घ
राम ने भिजवाया है लिखाई इसी के हाथ की है
खुद घसीटा राम ही यहां बेहोश पड़ा है.

चलो, फटाफट पुलिस को खबर करो.

मैं तुम से पहले पुलिस स्टेशन पहुंच जाऊंगा और इनाम के २०,००० रुपया ले लूंगा.
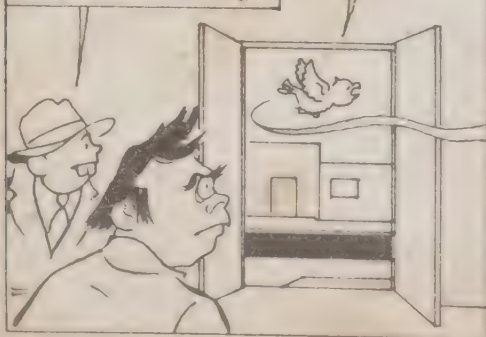
देखते ही देखते वहां पुलिस पुहंच गई और मो
पतलू और डाक्टर झटका भी आ गये.और घसीटा
को होश में लाने की कोशिश की जाने लगी.

सीटा राम के मारे पत्थर ने घसीटा राम ही का सर
ोड़ा. यह बात कुछ समझ में नहीं आई.
सर, यह एक पत्र है.

बाबू दया राम के घर के बाहर हम ने एक सन्देहपूर्ण व्यक्ति को देखा. हम ने उस से पूछताछ करने की कोशिश की तो वह मोटर साईकिल पर भाग गया. इस हबड़तबड़ में यह पत्र उस की जेब से फिसल गया.
देखना क्या लिखा है इस में

बाबू दया राम जी,
आपका बंटी मेरे कब्ज़े में है.
अगर आप चाहते हैं कि मैं उसे सही
सलामत आप को लौटा दूं तो आप आज
शाम को पांच बजे पचास हजार रुपया
लेकर बुद्ध जैन्ती पार्क के मेन गेट
के सामने खड़े हो जायें. मैं रुपया
लेकर आधे घंटे बाद बच्चा
आप को लौटा दूंगा. पुलिस को
खबर की बच्चा आप को
जिन्दा नहीं मुर्दा हालत में लौटाया
जायेगा.
अपहरणकर्ता
घसीटा राम
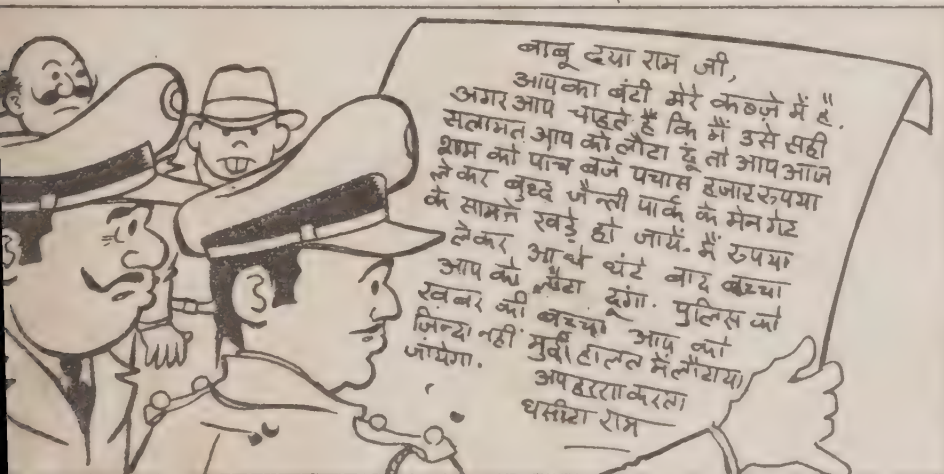
पहरणकर्ता घसीटा राम ! और घसीटा राम यहां
धमरा पड़ा है.
कोई गहरी साजिश है. घसीटा राम अपने ही घर में
नूद है. और बच्चों की फिरौती के लिये पत्र भेज रहा
घसीटा राम मरना नहीं चाहिये डाक्टर साहब.

घसीटा राम को होश आ रहा है
मैं कहां हूं? मुझे क्या हो गया है?
तुम अपने घर में सही सलामत हो. और फांसी पर लटकने की तैयारी में हो.
बताओ बच्चे कहां हैं?
कौन से बच्चे? कैसे बच्चे.
स्कूल के बच्चे. जो तुमने वैन में अपहरण किये.
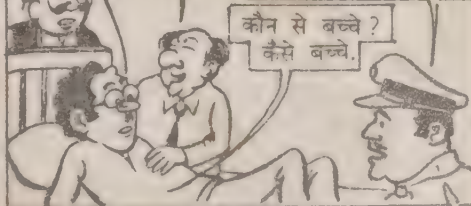
ओह, यह बात है तो वह माना नहीं. और उसने बच्चों का अपहरण कर लिया.
किसा ने अपहरण कर लिया?
घसीटा राम ने
घसीटा राम ने? तो तुम कौन हो?
मैं घसीटा राम हूं

कमाल की बात है तुम घसीटा राम हो, और घसीटा राम ने बच्चों का अपहरण किया तो यूं क्यों नहीं कहते कि अपहरण तुमने किया

नहीं. मैं ने अपहरण नहीं किया है. मैं अच्छा घसीटा राम हूं. अपहरण बुरे घसीटा राम ने किया है.
यह अच्छे बुरे का क्या चक्कर है? बच्चे कहां है?
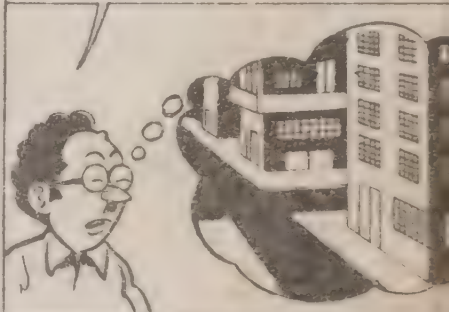
ठहरो, मैं अपनी आत्मा की आंख से देख कर बता
आदमी किसी से भी छुप जाये पर उसका एक रूप
रूप से नहीं छुप सकता. घसीटा राम के अच्छे रू
आत्मा ने उसे वह जगह दिखा दी.

जहां उसका बुरा रूप षडयंत्रकारियों की कैद में बन्द था.

चलिये मेरे साथ, मैं आप को बताता हूं बच्चे कहां है और घसीटा राम कहां है.

देखते ही देखते पुलिस की वैन गैंग के अड्डे पर पहुंच गई.
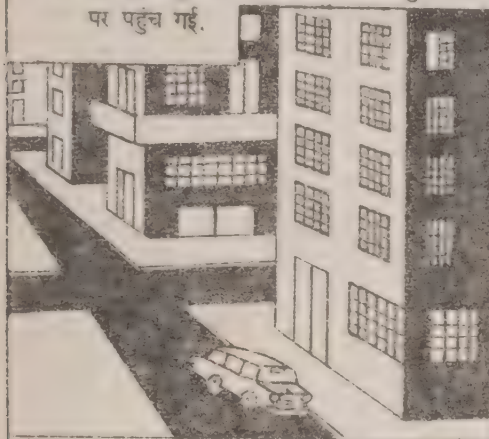
लिफ्ट खराब है. सीढ़ियों से ऊपर चलिये.

गैंग वाले अपनी अगली करवाई की योजना बना रहे थे, तभी दरवाजा खटखटाने की आवाज आई.
कौन है? जरा देखना दरवाजा खोल कर.
विक्टर आया होगा बंटी के घर पर पत्र पहुंचा कर.
खट खट

अरे पुलिस! पकड़ लो इन सब बदमाशों को

पुलिस धड़ाधड़ अन्दर घुस आई और किसी को भी भागने का मौका नहीं मिला.
यह है जी बुरे वाला घसीटा राम, मतलब है मेरे अच्छे रूप का बुरा रूप.
अच्छा तो तू ने मरवाया है मुझे, अब तो बरफ गली गई तेरी छाती पर.
अरे डबल रोल में दो घसीटा राम.
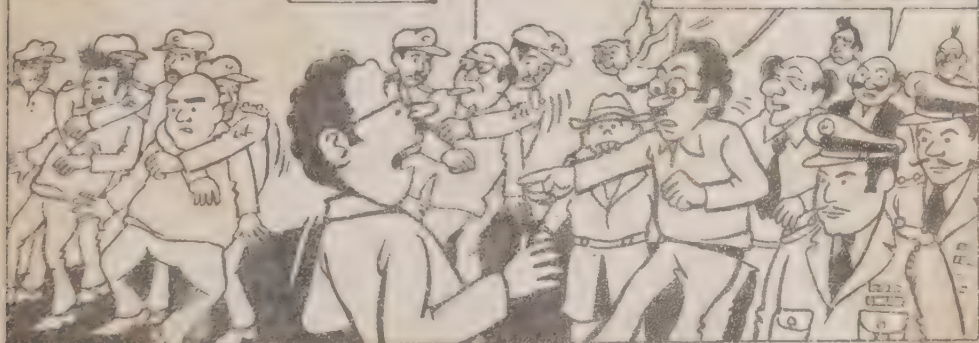
हम से पूछिये. हमें मास्टर जी ने कैद नहीं किया. यह खुद हमारी तरह यहां कैद थे.

पर खत इन के हाथ के पहुंचे हैं. इनका कसूर है या नहीं यह फैसला बाद में होगा.

और इस तरह फैसला होने तक के लिये श्री श्री १०८ श्री घसीटा राम दी ग्रेट जेल पहुंच गये.
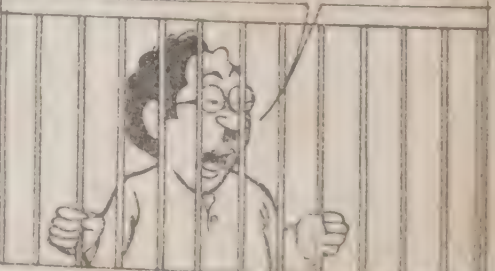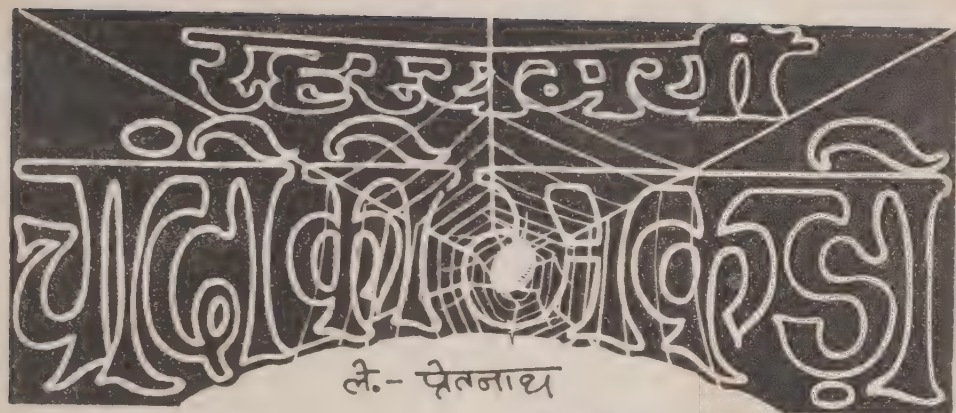
## भाग–१०

'धन्यवाद, सावधान करने के लिये, दोपहर को कुछ भी न खाना मुझे बहुत बुरा लगता। ऐसा लगता है यहां छत पर बैठे-बैठे दिन बहुत ही लम्बा होगा, 'वह बोला।

वास्तव में दिन बहुत लम्बा था। तीनों बारी-बारी झरोखे पर बैठ कर बाहर का ध्यान रख रहे थे, साथ-साथ दूसरे नींद ले लेते थे। अन्त में सूर्य सेंट डोमीनिक के गुम्बद के पीछे छिप गया। पक्षी डैन्जो के उद्यानों में चह–चहाते पक्षी अपने रैन बसेरों में चले गये।

रात्रि का अन्धेरा चारों ओर फैल गया और महल में चुप्पी फैलने लगी। दो आकृतियां चुपचाप महल की गुप्त राहों में जिन्हें उनके सिवाये कोई भी नहीं जानता था ऊपर की ओर आगे बढ़ रही थीं। धीरे-धीरे रूडी और ऐलीना ऊपर की ओर चढ़ते गये, राह में एक स्थान की सीढ़ियों पर एक पहरेदार की सहायता भी उन्हें मिली जिसने अपना मुंह दूसरी ओर कर उन्हें अनदेखा कर दिया था।

आखिरकार रात्रि के सन्नाटे में यह दोनों महल की छत पर पहुंचे तथा कुछ देर यह देखने को किसी ने इनका पीछा तो नहीं किया कुछ देर खड़े रहे फिर एक दम चुपके से पहरे की कोठरी में घुस गये। यह दोनों इतने चुपके से निकट आये कि झरोखे से पहरा देता महिन्दर भी घबरा गया। महिन्दर ने उन्हें अन्दर लिया तथा उसी समय हाथ में पकड़ी कपड़े से ढकी फ्लैशलाइट को रूडी ने जलाया।

'हम चलने के लिए तैयार हैं, 'तीनों से रूडी ने कहा, हमारा प्लैन तुमतीनों को महल से खिसकाकर भारतीय दूतावास सुरक्षा के लिए पहुंचाना है" अफवाह यह है कि डयूक स्टीफन ने अपना षड-यन्त्र और भी शीघ्रता से कार्यान्वित करने की सोची है उनका प्लैन,कल जोरो का राजतिलक मुलतवी कर अपने को अनिश्चित काल के लिए रीजेंट बनाना है।'

अभाग्यवश हम उसे रोकने को कुछ नहीं कर सकते, तरानियावासी महल पर चढ़ाई कर युवराज जोरो को जीवन के खतरे का सन्देश देने का कोई तरीका नहीं है। हमारा विचार रेडियो तथा टेलीविजन काबू कर लेने का था परन्तु ड्यूक स्टीफन बहुत ही चालाक हैं और उन्होंने इस इमारत पर कड़ा पहरा लगा रखा है।'

'अच्छा, श्याम बताओ, तुम्हें याद आया तुमने चांदी की मकड़ी का क्या किया था ? वह आंगन में नहीं मिली।'

श्याम ने सिर हिलाया, याद न कर पाने से श्याम बहुत शर्मिन्दा हो रहा था।

'यदि मकड़ी हमारे पास होती तो क्या इससे जोरो की कुछ सहायता हो सकती थीं ?' राजू ने पूछा।

'हो सकती थी,' ऐलीना बोली। 'यहां के मिन्सटरल एक आदेश यहां के युवराज के नाम से जारी कर तरानिया वासियों को जालिम ड्यूक स्टीफन से बचने में सहायता मांग सकते थे। चांदी की मकड़ी एक ऐसा राजसी चिन्ह है जिसका यह आदेश होता और उसका बहुत महत्व हो सकता था—इससे तख्ता बदल सकता था—परन्तु अब हो सकता है बहुत दूर जाने से पहले ही हम गिरफ्तार हो जायें।'

'कुछ भी हो, इसका अर्थ है चांदी की मकड़ी हमारे पास होनी चाहिए। इस कारण मेरा प्रस्ताव है कि महल से बाहर निकलने से पहले हमें एक बार छज्जों तथा हमारे कमरे में चांदी की मकड़ी को ढूंढ़ लेना चाहिये। हो सकता है श्याम मकड़ी यहीं कहीं गिरी हो।

"यह बहुत ही खतरनाक होगा।' रूडी बोला, 'परन्तु मकड़ी मिल जाने की सम्भावना है उससे लाभ होगा। इसके अतिरिक्त अब तुम्हारे कमरे में तुम्हें कौन ढूंढ़ने जायेगा, तो चलो कोशिश करते हैं।

खतरनाक अवरोहण—

पहरेदार की कोठरी छोड़ने से पहले इन्होंने हर बात का ध्यान रक्खा, खाने लपेटने के हर कागज को उठा कर दीवार से नीचे फेंक दिया तथा दूसरे भी हर प्रकार के चिन्ह हटा देने का पूरा प्रयास किया। फिर महल में रात्रि के लिए सबके अवकाश लेने की प्रतीक्षा में सब कुछ देर बैठे रहे। और कुछ देर बाद जब महल में सन्नाटा छा गया, रूडी हिला।

'अब हमने काफी इन्तजार कर लिया है' वह बोला, मेरे पास दो और छोटी-छोटी फ्लैश लाइट हैं। राजू मैं तुम्हें और महिन्दर को एक-एक दे देता हूं। बहुत जरूरत पड़ने पर ही इनका प्रयोग करना। मैं आगे चलता हूं और ऐलीना पीछे से ध्यान रखेगी, चलो।

इकहरी पंक्ति में सबने छत को

पार किया और सीढ़ियों के दरवाजे पर पहुंचे। आकाश में घने बादल छाये हुए थे तथा मोटी-मोटी बून्दें पड़नी आरम्भ हो गयी थीं।

अन्दर घुस कर संकरी सीढ़ियों से सब बड़ी सावधानी से आगे बढ़ने लगे। बार-बार आगे की आवाज सुनने के लिए रुक जाते थे। इन्हें कोई ग्रावाज सुनाई नहीं दी ग्रौर धीरे-धीरे केवल रूडी की फ्लैशलाईट की जुगनु की सी चमक जो बार-बार जलाने तथा बुझाने से उत्पन्न हो रही थी, के सहारे अपने पथ पर आगे बढ़ रहे थे। वे गलियारों और सीढ़ियों से आगे बढ़ते गये और नीचे उतरते गये, लड़कों को कुछ भी पता न था वे कहां हैं परन्तु ऐसा प्रतीत हो रहा था रूडी को ठीक मालूम था वे कहां थे। यहां आकर वह इन्हें एक कमरे में ले गया और दरवाजे का कुंडा लगा दिया।

'अब हम कुछ क्षण आराम कर सकते हैं, अब तक तो सब ठीक है, 'वह बोला' परन्तु यह तो सबसे आसान भाग था अब आगे खतरा है। मेरा ख्याल नहीं है अब भी वे तुम्हें महल में ढूंढ़ रहे हैं। इसलिए हम इसका लाभ उठा सकते हैं। पहले हम मकड़ी को ढूंढ़ेंगे फिर मकड़ी मिले या न मिले हमें तह-खाने में पहुंच जाना चाहिए। वहां से हम कुड़े के ढेरों से होते हुए बरसाती नालों से अपना रास्ता लेंगे। हम नालों की राह हीं जायेंगे। मैंने और ऐलीना ने यात्रा का यह भाग पूरी तरह समझ रखा है। फिर हम भारतीय दूतावास के निकट ही नालों से बाहर निकलेंगे। दूतावास में पहुंच कर तुम सुरक्षित हो जाओगे। फिर मिन्सटरल पार्टी के कार्यकर्ता सारे देश में युवराज जोरो के जीवन के खतरे के राजसिंहासन हथि-याने के विषय में भी सूचना होगी। उसके बाद मालूम नहीं क्या होगा, हम

शेष पृष्ठ २४ पर

# मोटापे के लाभ
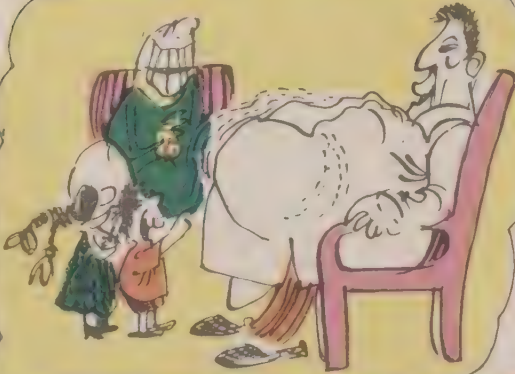
मोटा व्यक्ति व्यस्क जोक सुनाये तो बड़ों के साथ बच्चों को भी हंसने का मौका मिलता है। हंसते मोटे व्यक्ति का पेट थुलथुल-गुलगुल करके बच्चों को भी हंसाता है।

क्यू में मोटे आदमी का पेट आगे वाले व्यक्ति से इतना अन्तर रखने पर मजबूर करता है कि मुंह आराम से सांस ले सके।

मोटे व्यक्ति का बढ़ा हुआ पेट अपने बच्चों को धूप वर्षा से बचाता है।

मोटे व्यक्ति को टेबल की जरूरत नहीं पड़ती। उसकी तौंद ही साइड टेबल का काम दे देती है।
मोटे कर्मचारी दफ्तर में अधिक काम करते हैं व जनता और अधिकारी उनसे प्रसन्न रहते हैं क्योंकि उन्हें सीट पर बैठें रहना पड़ता है।एक बार कुर्सी में धंस जाने के बाद उठा ही नहीं जाता उनसे।
मोटा व्यक्ति कितना ही धनवान हो जाये उसका अपहरण नहीं किया ज़ा सकता। उसे कहीं लाना ले जाना आसान काम नहीं होता। ट्रक की जरूरत पड़ेगी।
मोटे लोगों की बीबी प्रसन्न व शंकारहित रहती है। यह सोच कर कि इस इस मोटे को कौन सी दूसरी लड़की पसन्द करने लगेगी।
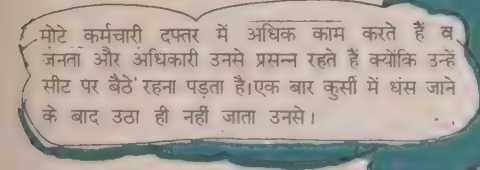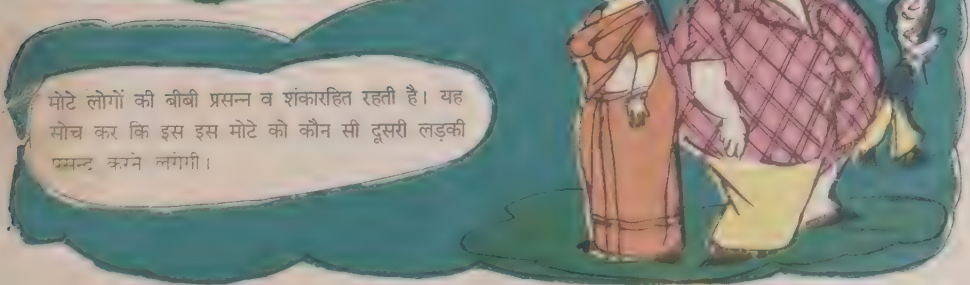
पृष्ठ २१ से आगे

केवल आशा ही कर सकते हैं।

'अब हम खिड़की से बाहर निकल कर नीचे बालकनी पर चलेंगे। मैंने अपनी कमर पर एक रस्सा बांध रखा है ऐलीना के पास भी एक रस्सा है परन्तु उसे हम एमरजेंसी के लिए बचाये रखेंगे।'

उसने रस्से को कस कर बाँध दिया और खिड़की से बाहर निकल कर नीचे बालकनी पर चला गया जब महिन्दर और राजू को मालूम हो गया रूडी नीचे पहुंच गया, वे दोनों भी नीचे उतर गए। श्याम और ऐलीना खिड़की से बाहर देख रहे थे नीचें फ्लैश लाइट जल बुझ रहीं थी तीनों चांदी की मकड़ी ढूंढ़ रहे थे। अन्त में रूडो की लाइट बन्द हो गई और फुसफुसाहट सुनाई दीं नीचे आ जाओ।' श्याम और ऐलीना वापिस आने के लिए रस्से को वहीं लटका छोड़ नीचे उतर गए।

'मकड़ी यहां नहीं है' रूडी ने परेशानी भरे स्वर में कहा जैसे ही सारे अंधेरे में इकट्ठे हुए, 'हो सकता है फिसल कर नदी में गिर गई हो, परन्तु मेरे ख्याल से नहीं। मेरे ख्याल से श्याम से कमरे से बाहर निकलते समय ही मकड़ो इससे गिर गई होगी।'

सब लोग कोने से छज्जा पार करने लगे, किनारे से छज्जे को गोल किया हुआ था, तथा जरा भी असावधानी से पैर फिसल कर कोई भी नीचे बहती नदी में पहुंच सकता था। परन्तु दीवा को कस कर पकड़े रहकर सावधानी से आगे बढ़ा जा सकता था। रूडी ह कुछ कदम बाद छज्जे को लाइट जल कर सावधानी से देख रहा था हो सकत है कहीं चांदी की मकड़ी मिल जाए परन्तु बिना मकड़ी मिले ही, यह लो दूसरी बालकनी पर पहुंच गए।

यह बालकनी इनके कमरे के बाह वाली थी। रूडी ने खिड़की से कमरे के अन्दर बहुत सावधानी से देखा कि वह कोई है तो नहीं। फिर लड़कों औ ऐलीना को बालकनी पर झांकते छोड़ कर बालकनी पर लाइट लेकर इंच-इंच कर देखता चला।

'अब हम क्या करें?' महिन्दर ने पूछा।

'अन्दर जाओ, 'उत्तर राजू ने दिया, 'अभी हमें कमरे के अन्दर भी ढूंढ़ना है।'

एक-एक कर सब खिड़की से भीतर घुस गए और अन्दर पहुंच कर चुपचाप एक पंक्ति में खड़े हो गए, ताकि हर आवाज सुनाई दे जाए। केवल एक झींगुर जो किसी प्रकार कमरे में घुस गया था बोल रहा था।

'कमरे में झींगुर का बोलना भाग्यवान होता है, 'महिन्दर फुसफुसाया' कुछ भी हो हमें अच्छी किस्मत की आवश्यकता है ही।'

तुम कह रहे थे श्याम हाथ में चांदी

की मकड़ी लिए कमरे में चारों ओर भाग रहा था, हो सकता है मकड़ी उसके हाथ से तभी कहीं गिर गई हो। हमें पूरे कमरे की छानबीन करनी पड़ेगी। हम लाइट लेकर बैठ कर सारे में ढूंढ़ेंगे, इस समय हमें बाहर से कोई नहीं देख सकता।

हर एक ने कमरे के एक-एक भाग को बांट लिया तथा दोनों हाथों और घुटनों पर बैठ कर कमरे की छानबीन आरम्भ कर दी। श्याम के पास अपनी अलग लाइट नहीं थी। इसलिए वह महिन्दर के साथ ही था। प्रकाश से कुछ चमका उन्होंने समझा उन्हें मकड़ी मिल गई परन्तु उठाने पर मायूसी इतनी बढ़ गयी की मुंह में भी उसका स्वाद आने लगा। चमकने वाली वस्तु फिल्म खोलते समय गिरा टिनफोयल का टुकड़ा था।

इस धोखें के बाद भी तलाश जारी रही। श्याम तो पलंग के नीचे तक घुस गया, महिन्दर उसे रोशनी दिखाता रहा ताकि पलंग के नीचे सब कुछ साफ दिखाई दे जाए।

एक नन्हा सा जीव उसके आगे से भाग कर हट गया। वह क्रिक क्रिक का स्वर कर रहा था।

इन्होंने झींगुर को घबरा दिया था। श्याम ने प्रकाश डाल कर देखा यह किधर जा रहा था। इन्होंने इसे पलंग के नीचे से निकाल कर सीधे मकड़ी के जाले में जाते देखा, जो अब भी कमरे के कोने में लटक रहा था।

घबरा कर झींगुर ने जाले से बाहर निकलने का प्रयास किया, परन्तु वह हिलने-डुलने से और अधिक मज़बूती से जाले में में फंसता गया। दो मकड़ियां दूर की दरार में बैठी उसे देख रही थीं। उनमें से एक दौड़ कर आगे आई और जल्दी-जल्दी जाले में चलती हुई झींगुर के निकट पहुंची और झींगुर के ऊपर जाले के चिपकने आगे लपेटने शुरू कर दिये। एक क्षण के भीतर ही झींगुर निस्सहाय कैदी हो गया। एक क्षण के लिए श्याम के मन में झींगुर को जाले से छुड़ाने की इच्छा उत्पन्न हुई, परन्तु उसने अपने को रोका। क्योंकि ऐसा करने में उसे जाला तोड़ना पड़ता और हो सकता है मकड़ी को भी मारना पड़ता परन्तु मकड़ी तो तरानिया का शुभ चिन्ह है (क्रमशः)

# आपको पता लगता है कि

आपको प्रेम हो गया है जब . . .

जब आपके अपने नाई से सम्बन्ध टूटने लगते हैं। प्रेम में आदमी हजामत शेव वगैरह करना भूल जाता है।

जब आपकी खटिया के चारों पैर फर्श पर नहीं लगते। रात को करवटें बदलते रहने के कारण खाट टेढ़ी हो जाती है।
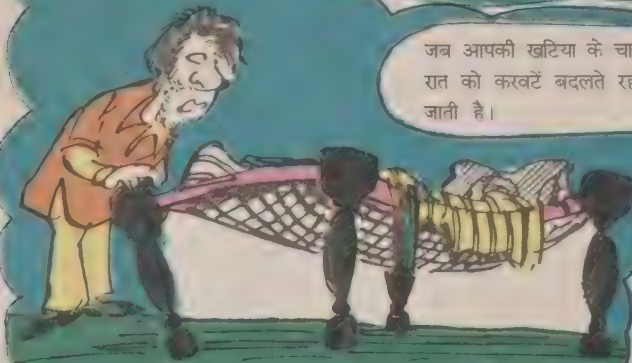
जब आपको अपने कमरे की छत पर बने सारे मकड़ी के जालों की गिनती जबानी याद हो जाती है। प्रेम में नींद नहीं आती।
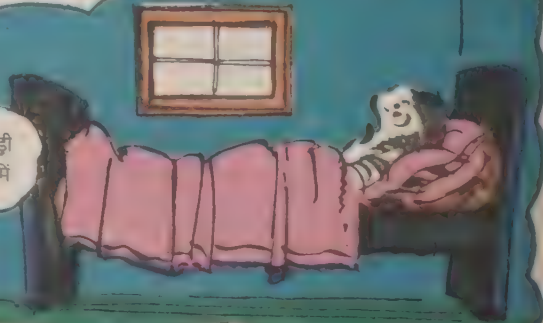
जब आपको अपना कुत्ता मोटा होता दिखाई देता है क्योंकि प्यार में भूख आपको तो लगती नहीं ! सारा राशन कुत्ता खा जाता है।
जब आपको बार-बार शक होने लगता है कि घड़ी चल नहीं रही है। प्रेमिका से मिलने तक का समय कटता ही नहीं।
कम्पनी बाग
जब शहर के पार्कों के चौकीदार आपको पहचानने लगते हैं।
जब आप स्वयं को विविध भारती के फर्माइशी गानों के साथ सुर मिला कर गाते हुये पाते हैं।
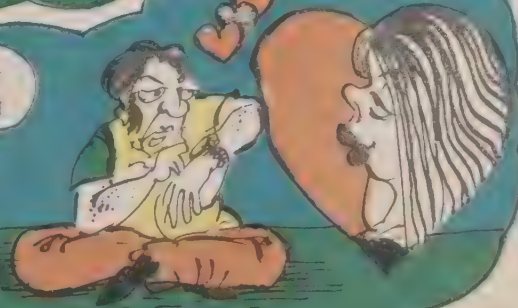
# आपस की बातें

चचा बातूनी और कलम दवात से

अपने प्रश्न केवल पोस्ट कार्ड पर ही भेजें
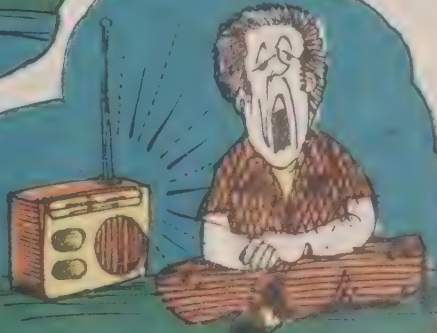
**मनोज आवलिया, 'पपन', उदयपुर :** चाचा जी, इन्सान दुनिया में नंगा आता है, पर मरने पर कफन पहन कर क्यों जाता है ?

उ० : अपनी हकीकत पर पर्दा डालने के लिये.

**विपन कनोजिया, लुधियाना :** मेरे घर वाले मेरी शादी करने की जिद पर अड़े हुए हैं. मैंने अभी जवाब नहीं दिया. आप बताइये शादी करूं या न करूं ?

उ० : क्या बतायें विपन जी, यह बूर के लड्डू हैं, जिस ने खाये वह पछताया, जिस ने न खाये वह पछताया.

**ऐ जब्बार, बीकानेर :** चाचा जी, क्या आपने कभी मार खाई है ?

उ० : किसी से दिल लगाने में धुनाई हो गई यारो,
कसूर दिल का था सर की पिटाई हो गई यारो.

**पंडित मेवा लाल परदेशी, महोबा :** प्रेम-मुहब्बत करने वाले ''दीवाने' होते हैं, तो दुश्मनी करने वाले ?

उ० : पागल. और यही सब से बड़ा अंतर है ''दीवाने'' और ''पागल'' में.

**सुशील चन्द्र, पूर्णियां :** चाचा जी, कृपया यह बतायें कि मनुष्य का असली रूप कब दिखाई देता है ?

उ० : एक दूसरे की टांग खीच कर. जैसे चौधरी चर्ण सिंह और राजनारायण को एक दूसरे की टांगें खींच कर एक दूसरे का असली रूप नज़र आया था.

**केवल प्रकाश, दुआ, काशीपुर :** कयामत के दिन खुदा आप से पूछेगा कि आपने जिन्दगी में कौन से अच्छे काम किये, तो आप क्या जवाब देंगे ?

उ० : यही की हम दुनिया भर को दीवाना बनाने में लगे रहे.

**प्रह्लाद जसवानी कृष्ण कन्हैया, मण्डला** चाचा जी, मृत्यु क्या है ?

उ० : शायद एक नई जिन्दगी का नाम.

**अनुज गौड़, सहारनपुर :** चाचा जी, जिन्दगी जीने का असली मजा कब आता है ?

उ० : जब मजे की चिंता किये बगैर जीया जाये.

**जगत सिंह विष्ट, अलमोड़ा :** चाचा जी, मैंने सुना है कि राजनारायण आजकल आगरा में मदारी का खेल दिखा रहा है. क्या यह सच है ?

उ० : अगर आप यह सुनते कि आज कल राजनारायण के गले में रस्सी डाल कर एक बन्दर उसे सड़कों पर नचा रहा है तो भी यह सत्य ही समझा जाता.

**आपस की बातें**
दीवाना साप्ताहिक
८-बी, बहादुरशाह जफर मार्ग
नई दिल्ली-११०००२.

# मदहोश

आह रामकली ! तुम यहां शहर में आ गयीं ? वही चेहरा, वही घूंघट, वही दुल्हन का रूप ! जैसे गांव में था . . .

मैं तुम से बिछुड़ कर शराबी बन गया। अब तुम आ गयी हो तो मैं बोतल हमेशा के लिये तोड़ देता हूं।

मदहोश,
होश की
दवा खा !

ओ शराबिया, मेरे कान में क्या बकबक लगा रखी है ? अढ़ाई मन के दाड़ी मूंछ वाले बंतासिंह को अपनी दुल्हन बता रहा है ?

# सवाल यह है?

टैलिफोन की घंटी बजी.


रिसीवर उठाने की जल्दी में अपना सर फुड़वाय
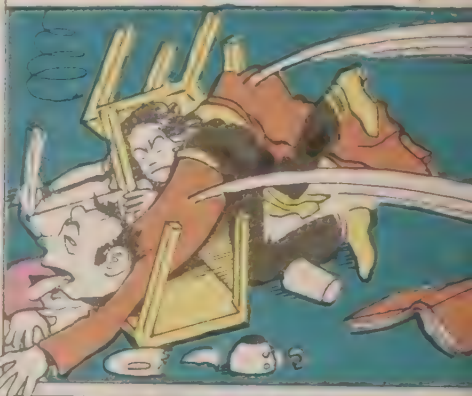

रिसीवर ठाने पर पता चला


जिस ने फोन किया था उसने रिसीवर रख दिया है.


अब पति पत्नी के दरमियान एक खतरनाक सवाल खड़ा हो गया.
जरूर आफिस से इनकी सैक्रेटरी का आया होगा. मैं सब समझती हूं.


जरूर इसकी मां का होगा. इसे मेरे खिलाफ भड़काने के लिये.

# टेलिफोन कितनी बड़ी मुसीबत ?
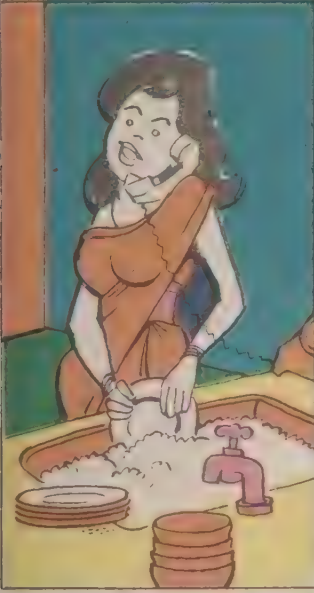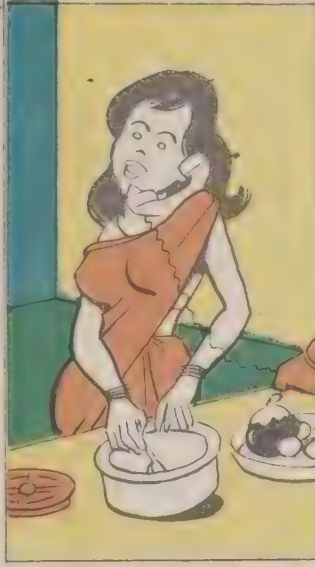
हर अंक में देखिये नये-नये चटपटे लाजवाब सवाल.

# भारत भ्रमण पर आये इंग्लैण्ड क्रिकेटरों का टैस्ट रिकार्ड
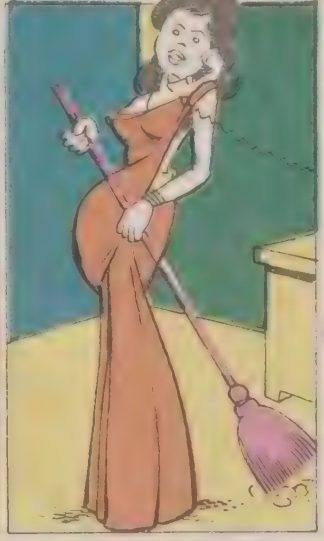
| खिलाड़ी | टेस्ट | रन | उच्चतम स्कोर | औसत | शतक | अर्द्ध शतक | कैच | विकटें | औसत | पारी में ५ विकटें | टेस्ट में १० विकटें | सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पालजान वाल्टर एल्लट | १ | ६६ | ५२ | ६६.०० | — | १ | — | ४ | २२.०० | — | — | २.१७ |
| इयान टैरेन्स बाथम | ४१ | १९७७ | १४९ | ३२.४० | ८ | ५ | ५५ | २०२ | २१.२० | १७ | ४ | ८.३४ |
| ज्योफरी बायकाट | १०४ | ७८०२ | २४६ | ४७.८६ | २१ | ४० | ३१ | ७ | ५४.५७ | — | — | ३.४७ |
| ज्योफरी कुक | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | - | — |
| ग्राहम राय डिल्ली | १२ | २४३ | ५६ | १८.६९ | — | १ | ३ | ३८ | २७.६५ | — | — | ४.२४ |
| जान आर्नेस्ट दम्बरी | १८ | ३२२ | ४२ | १४.६३ | — | — | १३ | ४४ | ३१.५० | १ | — | ५.१२४ |
| कीथ बिलियम रोबर्ट फ्लैचर | ५२ | २९७५ | २१२ | ४०.२० | ७ | १६ | ४६ | १ | १७३.०० | — | — | १.४८ |
| माइकिल बिलियम गैटिंग | १० | ६१८ | ५९ | २४.७२ | — | ६ | १४ | — | — | — | — | — |
| ग्राहम एलन गूच | ३५ | २००० | १५३ | ३३.३३ | ३ | ११ | ३१ | ६ | ४५.१६ | — | — | २.१६ |
| डेविड इवान गोवर | ३१ | २०४२ | २०० | ४१.६७ | ४ | ८ | १५ | — | — | — | — | — |
| जान केनेथ लीवर | १८ | ३०३ | ५३ | १३.१७ | — | १ | ११ | ६० | २६.३५ | २ | १ | ७.४६ |
| कलिफ्टन जेम्स रिचर्ड | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| क्रिस्टोफर जेम्स टावरे | ४ | २४४ | ७८ | ३०.५० | — | २ | ३ | — | — | — | — | — |
| राबर्ट बिलियम टेलर | २९ | ६९३ | ९७ | १७.८६ | — | २ | ९२ | ६ | — | — | — | — |
| डेरक लैस्ली अंडरवुड | ७९ | ८९९ | .५ | ११.६७ | — | — | ४३ | २७९ | २५.५९ | १६ | ६ | ८.५१ |
| राबर्ट जार्ज विलिस | ६३ | ५५५ | २४ | ११.१० | — | — | २४ | २२७ | २५.१४ | १३ | — | ८.४३ |

लिया ११० विकटें, लांस गिब्स और उसके नेतृत्व में इस टीम ने

# क्यों और कैसे

**प्र. : संसार का सबसे गहरा समुद्र कितना गहरा है और कहां है?**

**—राम बिहारी, पटना**

उ. : समुद्र के रहस्य को मनुष्य अब भी बहुत प्रकार से जान नहीं पाया है. हमें यह तक नहीं मालूम समुद्र कितने पुराने हैं। परन्तु इस बात का पूरा ही विश्वास है कि पृथ्वी के निर्माण के आरम्भिक काल में समुद्र नहीं थे.

आजकल मनुष्य समुद्र के तलों की खोज में लगा है ताकि समुद्रों के विषय में अधिक जानकारी प्राप्त की जा सके। समुद्र का तला १२००० फुट की गहराई तक एक प्रकार की गिलगिली कीचड़ से ढका हुआ है, यह कीचड़ गिलगिले नन्हें समुद्री जीवों के अस्थि पंजरों से बनी है। समुद्र का गहरा अंधेरा भाग, जहां पानी चार मील से भी अधिक गहरा है एक प्रकार की लाल मिट्टी से भरा है, इसे 'लाल मिट्टी' कहते हैं। यह 'लाल मिट्टी' जानवरों की अस्थि पंजरों के छोटे छोटे भागों, छोटे पौधों के ऊपरी भाग तथा ज्वालामुखी से निकली राख से बनी होती है।

आजकल समुद्र की गहराई नापने के लिये ध्वनि तरंग को नीचे भेजा जाता है, जो समुद्र के तले से टकरा कर वापिस आती है। गहराई का अनुमान ध्वनि तरंग द्वारा जाने आने के समय को नाप कर हिसाब लगाया जाता है, इस गणना को फिर आधा कर सही गहराई का पता चलता है।

इन गणनाओं के आधार पर हमें विभिन्न समुद्रों की औसत गहराई का काफी अनुमान हो गया है। सबसे अधिक औसत गहराई प्रशान्त महासागर की है, जो १४,०४८ फीट है। दूसरे नम्बर पर हिन्द महासागर की औसत गहराई है जो १३,००२ फीट है। ऐटलॉटिक महासागर की औसत गहराई १२,८८० फीट है जो संसार में तीसरे नम्बर पर है. बवलटिक समुद्र की गहराई संसार के समुद्रों में सबसे कम केवल १८० फीट है।
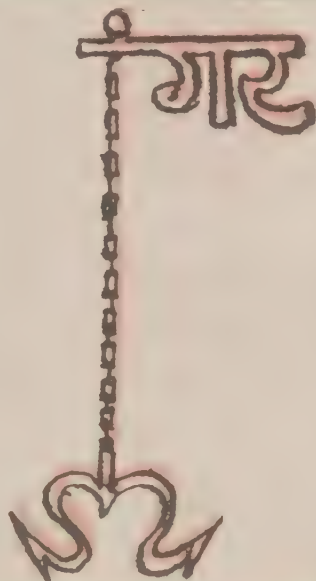
गुआम के निकट प्रशान्त महासागर का सबसे गहरा अकेला स्थान है इसकी गहराई ३५,४०० फीट है। दूसरे नम्बर पर गहराई में ऐटलांटिक की प्यूरटो रिको के निकट का स्थान है जिसकी गहराई ३०;२४६ फीट है। हडसन वे, जो कई समुद्रों से बड़ी है का सबसे गहरा स्थान केवल ६०० फीट की गहराई पर है।

**क्यों और कैसे?**

दीवाना साप्ताहिक

८-बी, बहादुरशाह जफर मार्ग,

नई दिल्ली-११०००२

आगामी अंक में आपको इस पृष्ठ पर और अच्छी तरह फसाया जायगा

आजादी
की रक्षा
मत करो
किसी हसीना के गुलाम बन जाओ
दीवाना

# हंसना मना है
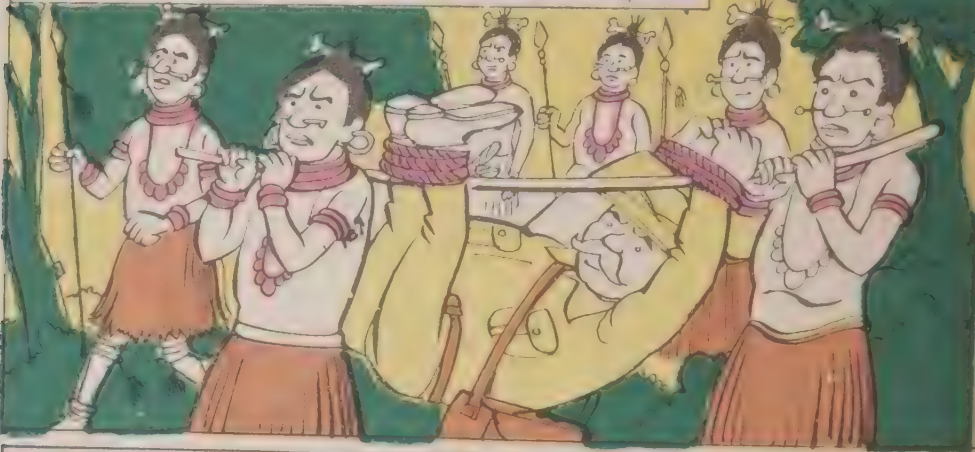
● एक प्रोफेसर : हमारे सामने हमेशा दो संभावनायें होती है। वायु में कीटाणु होते हैं। दो चीज़ें हो सकती हैं या तो वे आपके शरीर पर हमला करेंगे या नहीं। हमला करें तो भी दो संभावनायें हैं या तो आप मर जायेंगे या बच जायेंगे। मर गये तो भी आप के सामने दो रास्ते होंगे एक स्वर्ग का और दूसरा . . .।''

● पिता अपने पुत्र से, ''जब मैं तुम्हारी तरह १८ वर्ष का था तो दिन में १२ घंटे काम करता था। हफ्ते के सातों दिन काम में लगा रहता था। मुझे अपने काम से प्यार था। मैं मेहनत का महत्व जानता था।''

पुत्र, ''शSSSSS! पिताजी ज़रा धीरे बोलिये। किसी ट्रेड यूनियन वाले ने सुन लिया तो वे मुझे पूंजीवादियों के पिट्ठू का लड़का कहेंगे।''

● राजाराम मरे तो उनकी विधवा अपने पति की शानदार इम्पोर्टेड कार को दो रुपये में बेचने लगी। सब हैरान थे, लोगों ने समझाया कि कार दो लाख में बिक सकती है। लेकिन विधवा अपने निश्चय पर अटल थी। कुछ रिश्तेदार डाक्टर को बुला लाये कि शायद विधवा का दिमाग खराब हो गया है। विधवा डाक्टर से बोली, ''मेरा दिमाग सही है। मेरे पति ने वसीयत में लिखा है कि उनकी कार को बेच जो धन मिले वह उनकी खूबसूरत सैक्रेटरी को मिले। कार बेच कर मैं दो रुपये उसे पकडा दूंगी।''

● एक मरीज से डाक्टर ने कहा, ''मुझे लगता है कि तुम अधिक परिश्रम के कारण थकान महसूस कर रहे हो। तुम्हें कुछ दिन हल्का काम करना चाहिये। क्या करते हो तुम ?''

मरीज, ''सैंध लगाता हूं।''

डाक्टर ने सुझाव दिया, ''कुछ दिनों के लिये जेब काटने का धंधा करो न।''

● मम्मी व डैडी बाहर गये थे। मुन्ना व मुन्नी को शरारत सूझी। दोनों ने मम्मी डैडी के कपड़े लपेट लिये और पड़ौसी वर्मा जी के घर जाकर दरवाजा खटखटाया, ''हम हैं मिस्टर और मिसेज शर्मा''। मिसेज वर्मा ने दरवाजा खोला वे भी मज़ाक के मूड़ में थीं। आरदरपूर्वक बोलीं, ''आइये आइये अन्दर आइये ! मिस्टर और मिसेज शर्मा बड़े दिनों बाद दर्शन दिये।''

उनका आदर सत्कार हुआ। चाय व कॉफी के दौर चले। कुछ देर बाद मिसेज वर्मा बोलीं, ''एक एक कप चाय और हो जाये।'' मिसेज शर्मा बोलीं, ''बस रहने दीजिये। हमें जल्दी घर जाना है। मिस्टर शर्मा ने पैंट में सू सू कर दिया है।''

● एक साहब बहुत कंजूस थे। अपने विवाह की वर्षगांठ पर मियां बीबी घूमने पार्क पहुंचे। वहां आइसक्रीम बिक रही थी। कंजूस पति ने प्यार से बीबी से पूछा, ''एक और आइसक्रीम खाओगी ?''

बीबी चकित हो गयी, ''एक और ? लेकिन मैने तो अभी एक भी नहीं खायी।''

पति ने आह भरी, ''वाह ! तुम वह आइसक्रीम भूल गयीं जो पिछली वर्षगांठ पर इसी पार्क में मैंने तुम्हें खिलाई थी ?''

● प्रश्न—''गिरते बालों को कौन सी चीज रोक सकती है ?''

उत्तर—''फ़र्श।''

सिलपिल पिलपिल
राज करेगा
हमसा
चूहे आजकल हरखबार मां बड़ी खबर आ रही है कि उग्र अकाली खालिस्तान की मांग कर रहे हैं। हमको उनका समर्थन करना चाहिये कि नहीं ? तुझे तो पता ही है कि हम जो फैसला करेंगे उसका देश पर बहुत गहरा असर पड़ेगा.
गहरा असर. अगर थम दोनों ने आज वक्तव्य जारी कर दिया कि हम खालिस्तान का समर्थन करते है तो इन्दिरा जी को दोबारा सोचने पर मजबूर होना पड़ेगा. सोच समझ कर काम करना.

मेरा ख्याल है कि थम चुप्पीमार जाओ ! खालिस्तान का दिल ही दिल से समर्थन करो। उसमें थमारा भी फायदा होगा। हम भी कल नये देश की मांग कर सकते हैं।
थम दोनों के पास मिला कर चालीस एकड़ जमीन है बस उसमें झंडा गाड़ दो और नया देश बना लो. जिसके राजा बस हम तुम होंगे.
चूहे का ऐसा हो सकता है ? फिर तो हमारे मजे आ जायेंगे.
हो क्यों नहीं सकता ? हम तीनों लड़कर हिन्दुस्तान से अलग हो जायेंगे. अपनी खिचड़ी अलग पकायेंगे. उसमें घर का देसी घी मिला कर पापड़ और अचार के साथ प्रेम से खायेंगे.
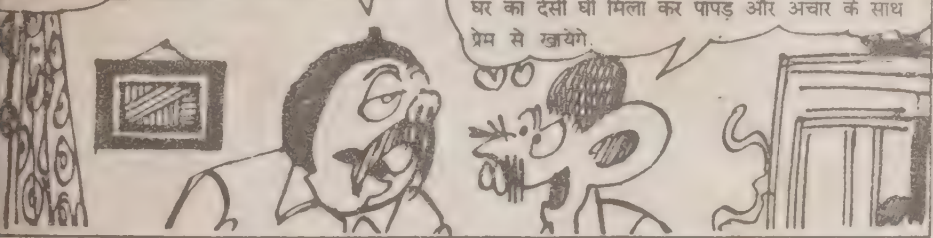
वह देख वह हमारा झंडा होगा कि किस शान से लहरा रहा है। हर साल बीस जनवरी को अपने खेत के लाल मिट्टी के घेरे पर शान से इसे फहराना और अपने डंगरों को इकट्ठे करके उन के सामने भाषण देना.
चूहे, हम अपने देश का क्या नाम रखेंगे? चौधरी चरण सिंह जी से मिल कर इसका फैसला करना पड़ेगा।
हम खुद ही फैसला करेंगे जब हम अपने नये देश की बागडोर संभालेंगे तो सारे फैसले हमें खुद ही करने होंगे। हम किसान हैं, हमारी बागड़ी भैंसें दूध देती हैं। हमें अपने देश का नाम मलाईस्तान रखना चाहिये। लोगों के मुंह में पानी आ जायेगा.

अब मलाईस्तान बन कर रहेगा। हम ताकत के जोर से मलाईस्तान लेकर रहेंगे। जो हमसे टकरायेगा वह आइसक्रीम बन जायेगा
हमने अपने प्यारे देश मलाईस्तान का प्रतीक चिह्न ढूंढ़ लिया है! देखने में यह बैल के सींग जैसा ल है लेकिन हम इसका महत्व सबको बता देना चाहते यह चिह्न पिलपिल और सिलबिल की मूंछों को मिला बनाया गया है. इसके नीचे सत्यमेव जयते की ज अंग्रेजी में दो दूनी आठ लिखा होगा.
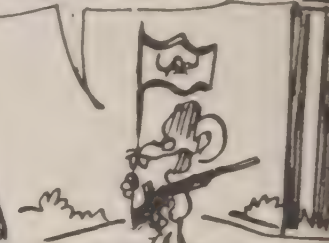
अब सबसे पहला काम हमें यह करना है कि हमें झुमरी तलैया से मलाईस्तान के डाक टिकट छपवाने हैं. उन टिकटों को हम पोस्टकार्डों और लिफाफों पर चिपका कर लोगों को भेजेंगे। विविध भारती को देश प्रेम के गानों की फरमाइश भेजेंगे। अखबारों के सम्पादकों को हम पत्र भी लिखेंगे.
MALAISTAN
दो दूनी आठ।
आप ऐसे ही कार्ड कम से कम एक हजार
छपवा कर अपने दोस्तों या परिचितों
को भेजें। एक आदमी ने ऐसा नहीं किया उसकी नाक
बन्द हो गयी। साईकल में पंचर हो गया. चित्रहार
वाले दिन टी.वी. खराब हो गया. एक
सज्जन ने दो हजार कार्ड छपवा कर
भेजे, उस दिन उन्हें टेलीफोन पर
कोई राग नम्बर नहीं
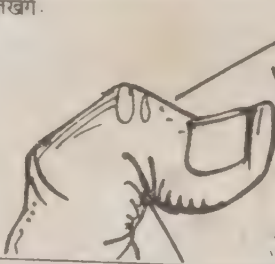
हमारे मलाईस्तान के नोट अलग ही प्रकार के होंगे। जैसे हिन्दुस्तान में एक, दो, पांच, दस, बीस, पचास व सौ के नोट होते हैं वैसे हमारे नहीं होंगे। हमारे नोट कपड़े के थान की शक्ल के होंगे। जितनी मर्जी आये नपवा कर कटवा लो। इससे लेन-देन में बहुत आसानी होगी। रुपया मीटरों के हिसाब से मिलेगा, दुनिया में अपनी तरह का पहला प्रयोग होगा यह।
हमारे घर में रुपयों के थान के थान मिलेंगे।
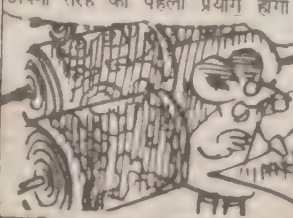
हमारे मलाईस्तान में बेकारी नाम की कोई चीज नहीं होगी। क्योंकि देश में हम तीन आदमी ही होंगे। पिल्पिल राष्ट्रपति बनेगा। सिलबिल प्रधानमंत्री होगा और मैं
सैक्रेटरी।
चपरासियों की जगह खाली रहेगी।
हमें खुद ही चपरासियो का काम करना पड़ेगा।
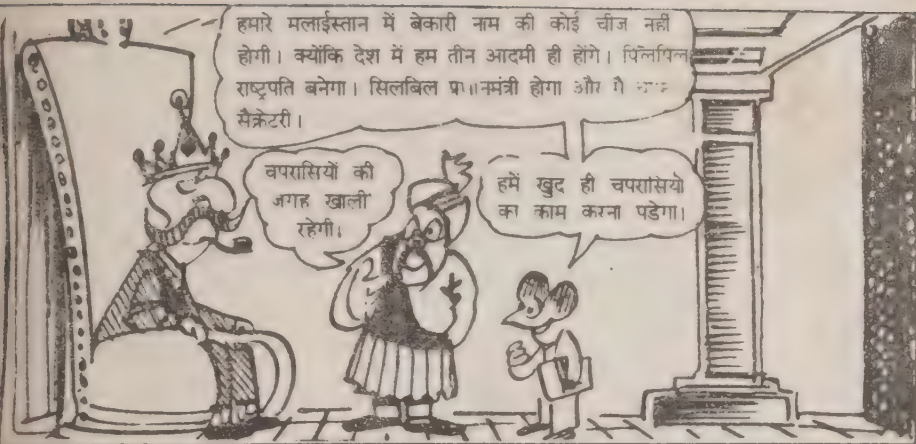
एक समस्या के बारे तो हमने सोचा ही नहीं। हमारा देश होगा तो देश के पास फौज भी तो होनी चाहिये। अगर हिन्दुस्तान शरारत करे और हमारे देश के विरुद्ध लड़ाई छेड़ दे तो हम क्या करेंगे?
अपने मलाई देश में हम तीन जानें ही हैं। फौज के लिये भर्ती हो तो कहां से होगी। या तो राष्ट्रपति व प्रधान मंत्री के इलावा हम तीनों ही ओवर टायम में सेना का काम करें।
वह भी कैसे होगा। एक चीफ आफ स्टाफ होगा, दूसरा लेफ्टीनैंट और मैं सूबेदार। सिपाही कौन बनेगा?
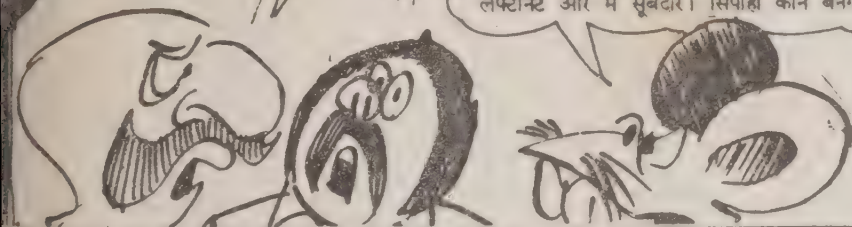
आ गया दिमाग में आइडिया। हमें अपनी फौज की जरूरत नहीं पड़ेगी। हम हमने खेत अमरीका को फौजी अड्डे बनाने के लिये दे देंगे।
अमरीका को अड्डे दे दिये तो रुस धमारी ऐसी तैसी कर देगा। चालीस बीघे या एकड़ में क्या अड्डे बनेंगे। हम तो गुटनिरपेक्ष नीति का पालन करेंगे। यह मत भूलो कि विदेश मंत्रालय का भार मुझे ही संभालना होगा। हम अपने देश में किसी को अड्डे नहीं बनाने देंगे।

मिलविल पिलपिल के कारनामे अगले अंक मे पढ़िये.

**एम. एम. गुजराल / मोहन लाल शर्मा, करनाल :** किसी पे दिल अगर आ जाये तो क्या होता है?

उ : रैस्टोरेंट का बिल आने दो अपने आप पता लग जायेगा।

**प्रेम बाबू शर्मा "सुमन", बगीची पीरजी :** गरीब चन्द जी, आदमी सबसे ज्यादा किसे प्यार करता है?

उ : उसे जो शीशे के सामने खड़े होने पर शीशे में नज़र आता है।

**केवल प्रकाश दुआ, काशीपुर (उ.प्र.) :** अगर एक दिन मर ही जाना है तो भगवान पैदा ही क्यों करता है?

उ : अगर मौत न होती तो आदमी इतना बोर हो जाता कि रोज भगवान को कोसता।

**प्रेम बाबू शर्मा—बागीची पीरजी :** गरीब चन्द जी, आदमी को सफलता में असफलता कब मिलती है?

उ : जब प्रेमिका से विवाह करने में आदमी सफल हो जाता है लेकिन प्रेमिका की मां भी साथ ही आती है जैसे प्लास्टिक की बाल्टी के साथ प्लास्टिक का कप मुफ्त आता है।

**श्रीपाल बबुल, बीना (म.प्र.) :** गरीब चन्द जी, राम ने सीता को पाने के लिए धनुष तोड़ा, अर्जुन ने द्रोपदी को पाने के लिए मछली को मारा! आपने अपनी पत्नी को पाने के लिए क्या किया?

उ : अपनी प्रेमिका का दिल तोड़ा और अपने मन को मार दिया।

**के. पी. अरोड़ा, काशीपुर (उ.प्र.) :** मुझे सपने में सुन्दर लड़कियां लिफ्ट देती है. परेशान हूं?.

उ : क्या आप उनसे सीढ़ियां लेना चाहते हैं?

**सुरेन्द्र वीर सिंह, खुरजा**

प्र० : गरीब चन्द जी, आप यह बतायें कि मुझे कोई लड़की लिफ्ट नहीं देती है तो मैं क्या करूं?

उ० : आप सीढ़ियों का प्रयोग करें।

**जय भगवान भारद्वाज, रिवाड़ी (हरियाणा) :** दोस्तों से मिलने पर किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

उ : अपने पैन, रूमाल, और सिगरेट लाइटर का।

**रविन्द्र नाथ सरीन, लुधियाना :** इन्सान आखों के होते हुए भी ठोकरे क्यों खाता है?

उ : उसकी आंखें कहीं और लगी रहती हैं।

**मंगल सिंह टांक, जीन्द (हरियाणा) :** गरीब के आंसु की तुलना किस से की जा सकती है?

उ : कमेटी के पानी के फटे हुये पाइप से।

**सन्तोष खन्ना 'काका' सहारनपुर :** गरीब चन्द दोस्त बताओ यदि उधार प्रेम की कैंची है तो नकद?

उ : अपने जेब की कैंची है।

**रविन्द्र नाथ सरीन, लुधियाना :** गरीब चन्द जी, गरीब के पास सबसे कीमती चीज क्या होती है?

उ : राशन कार्ड।

**गरीब चन्द की डाक**
दीवाना साप्ताहिक
८-बी, बहादुरशाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली-११०००२

# फैण्टम-जंगल शहर

तार के कारण वह बहुत तेजी से घने जंगल की ओर बढ़ता है.
तार . . .किट वाकर . . .वाक्स ? मावीटान. तुरन्त बात करो —डियाना.
तुरन्त ? उन्हें क्या हो सकता है —हीरो जल्दी चलो—
चलो जुम्बा.
चलते फिरते भूत के लिये—


कोई दुर्घटना, . . .आग ?


तार—किट वाकर बाक्स ७, मावीटान. तुरन्त बात करो —डियाना.
दो बच्चे और उनकी माता . . .
चुप रहिये . . . .त तत .
चलते फिरते भूत के लिए...


मैं बच्चों को वास्तव में वापिस जंगल नहीं ला सकती गुड वाई (सिसकी)
!


वह जल्दी में है. तार में क्या लिखा था ?
मुझे नहीं मालूम !


फैन्टम हैम रेडियो द्वारा एक फोन करता है
७W६१— OZE ६४२ नम्बर मिलाना चाहता है—


मैं तुम्हें सुन रहा हू ७W६१ बहुत दिन से तुम से बात नहीं हुई, कैसा चल रहा है—ओवर


यहां सब ठीक है, क्या आप मेरी टेलीफोन काल को आगे एक लाइन से जोड़ सकते हैं जिसका नम्बर बताता हूं
ठीक है ७W६१ नम्बर चाहिये—
बढ़िया आशा है डियाना किट और हैलोइस भली प्रकार होंगे


मेरे पास डियाना पामर वाकर के लिये रेडियो टेलीफोन ट्रान्समिशन से काल आई है.
जी हां. एक क्षण रुकिये कृपया डियाना


मैं डियाना बोल रही हूं हैलो ! हैलो
मैं आपको
को बुलाता


ओह प्रिये ! तुम से बात करना कितना अच्छा लग रहा है
डियाना क्या तुम और बच्चे भली भांति हो ? वहां क्या हो रहा है ?

समुद्र पार की टेलीफोन काल
हम सब बिल्कुल ठीक है प्रिय
मेरे पास एक अत्यन्त शुभ समाचार है


डा. हेनरी अपने दफ्तर की शाखा बंगाला में स्थापित कर रहे हैं और मुझे उसके संचालन का भार सौंपा है।
डा. हेनरी गड़गड़ . . .खोल रहे हैं बज . . .बज . . . खट खट . . .और मुझे संचालन का . . .गड़गड़ . . .खट-खट . . .
क्या समाचार है फोन में गड़बड़ आ रही है?
मुझे एक शब्द भी समझ नहीं आया


समुद्र पार की टेलीफोन काल
क्या अब तुम्हें सुनाई दे रहा है? हम बंगाला में दफ्तर खोल रहे है मुझे उसको चलाना है, हां
तुम यहां आकर काम करोगी?
हां, लुआगा तथा गुरांडा ने इसका प्रबन्ध किया है


प्रिये क्या तुम सुन रहे हो?
बहुत बढ़िया!
घर आ रही हो
वाह!


डियाना तुम कितनी जल्दी आ जाओगी?
जितनी जल्दी भी हो सकेगा, वहां दफ्तर तथा कर्मचारी ढूंढ़ने होंगे।
और रहने का एक स्थान भी!
मैं सब इन्तजाम कर लूगा तुम आने का तार देना।


हां दे दूंगी एक चुम्बन
चुम्बन
मुझे मिल गया


बहुत धन्यवाद OZE ६४२ समाप्त कर रहा हूं।
पता नहीं यहा ७W८१ हैं कौन और कहा से फोन करता है, कभी बताता नहा।
सहायता कर पाने के लिये हमें खुशी है, हर समय आपकी सेवा में ७W८१ समाप्त
शायद OZE ६४२ को पता हा


वे लोग घर वापिस आ रहे हैं।
?
?

डियाना और बच्चे यहां रहने आ रहे हैं
बहुत बढ़िया
बिलकुल यहां नहीं वह मावीटान में काम करेगी..
खुशी का समाचार
फिर चलते-फिरते भूत की पत्नी और बच्चे रहेंगे कहां ?
अच्छा प्रश्न है बूढ़े मौज़ मुझे सोचना चाहिये
डियाना तुम इन अमूल्य बच्चों को उस गुफा में ले जाओगी.
मां मेरा काम राजधानी मावीटान में है
गुफा तो घने जंगल में वहां से बहुत दूर है. हम वहां अक्सर जा सकते हैं
फिर तुम रहोगी कहां ?
उसने कहा है हमारे रहने की की जगह ढूंढ लेगा.
चलते फिरते भूत के लिये
अंकल वाकर आपने डियाना और बच्चों के रहने के लिये स्थान ढूंढ लिया ?
अभी नहीं रेक्स, परन्तु मिलने ही वाला है.
मिल गया
कौन सा स्थान है ?
आओ देखने चलें ?
मैं तो पहले इस तरफ कभी नहीं आया. हम कहां जा रहे हैं ?
एक प्राचीन जगह जहां बहुत कम लोग जाते हैं रस्सी वाले लोगों की जगह
रस्से से बने लोग ?
नहीं रेक्स तुम देख लेना
एक अजीब स्थान जहां मेरे पिता मेरी मां से
अजीब वातावरण में मिले थे

# वर्ग पहेली

इनाम १५ रु.

अन्तिम तिथि ३०-११-८१

### बायें से दायें

१. हम सब की भाभी ? (३, १, २)

६. गर्म पानी से नहाते समय प्रयुक्त होने वाला साबुन। (३)

७. एक सौ खोखले शहतूत (२)

८. छड़ी वाले मामले में गर्मी है। (२)

९. कम्पनी बाग रुड़की में पाया जाने वाला पक्षी। (३)

११. निकाल ला बीमारी से माता को—गर्मी नहीं रहेगी। (२)

१२. मुड़ कर बोलने का अधिकार है अपको। (२)

१३. इस प्रदेशवा में तर चीज़वा मिलत है ? (३)

१४. कामी नारी का उलट पलट कर कला प्रदर्शन। (४)

### ऊपर से नीचे

१. भाभी बारी २ से दो बार अधूरे बने आभूषणों के पीछे पड़ी । रौनक खूब रही। (३-३)

२. हमारी मासी की बिचली लड़की। (२)

३. धमाके वाला केस। (२, २)

४. कवि के खून में आया उफान। (२)

५. मौसम को वोट देने का हक मिले तो नशीली हो आये ? (२, ४)

१०. आधुनिक लैला में बेअंत कला हो तो उसे कहीं जाना नहीं होगा। (२)

११. इसका भंग होना ठीक नहीं है लड़कियों के लिये। (२)

१३. एक देश ने शुरू में ही जीती न छोड़ी (२)

# सेनाओं का खर्चा कम कैसे हो?

आजकल चारों ओर शस्त्रों की होड़ लगी है। छोटे से छोटा देश भी अनावश्यक रूप से सैनिक साज सामान इकट्ठा कर रहा है। हमें बहुत महंगे लड़ाकू जहाज, टैंक, मिसायल्स, समुद्री जहाज व पनडुब्बियां खरीदनी पड़ रही हैं। भारत जैसे गरीब देश की अर्थव्यवस्था पर यह असहनीय बोझ है। सेनाओं पर होने वाला यह बजट व्यय कैसे कम हो इस विषय पर गूढ़ अध्ययन कर हमने दीवाने हल खोज निकाले हैं। सेना के शस्त्रों में थोड़ी सी रिसर्च करके ऐसे एटैचमैंट तैयार किये जा सकते हैं कि शांति काल में थोड़े से परिवर्तन करके सेनायें कमाई कर सकती हैं व जनता पर पड़ता बोझ कम कर सकती हैं। उदाहरण के लिये कुछ फार्मूले पेश हैं.
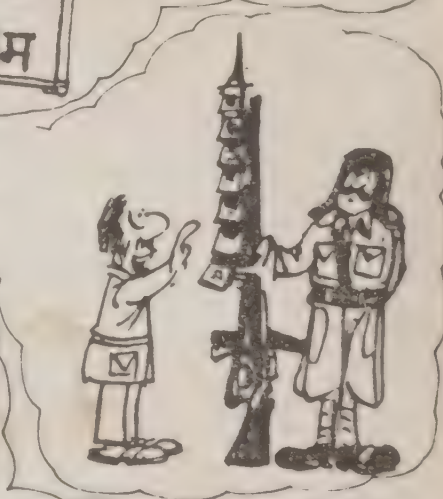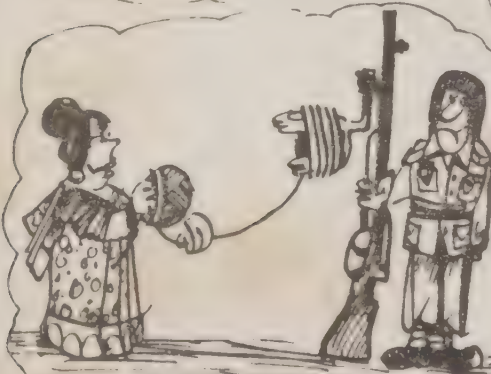
स्वचालित रायफलों में ऐसी व्यवस्था हो कि वह जरूरत पड़ने पर फसलों के मौसम में चने आदि की फायरिंग कर बुआई कर सकें।
नेवी के सब मैरीन विदेशों से साड़ियां, शेवर, टू-इन-वन और घड़ियां आदि लाकर दूर समुद्र में खड़े होकर उनकी सेल लगायें। यह सेल कस्टम ड्यूटी फ्री हो। सब मैरीन तक तैर कर जाना अनिवार्य हो। नेवी को अपार आमदनी के इलावा देश को एक और लाभ होगा। हमारे देश में इम्पोर्टेड चीजों का इतना क्रेज है कि हमारे देश में थोक रेट पर तैराकी के ओलम्पिक चैम्पियन तैयार होंगे।
SALE
नेवी वालों के लिये मछलियां पकड़ना अनिवार्य कर दिया जाये। मछलियों का डेली कोटा फिक्स हो। माह मछलियां बाजार में बेची जायें।
RANT
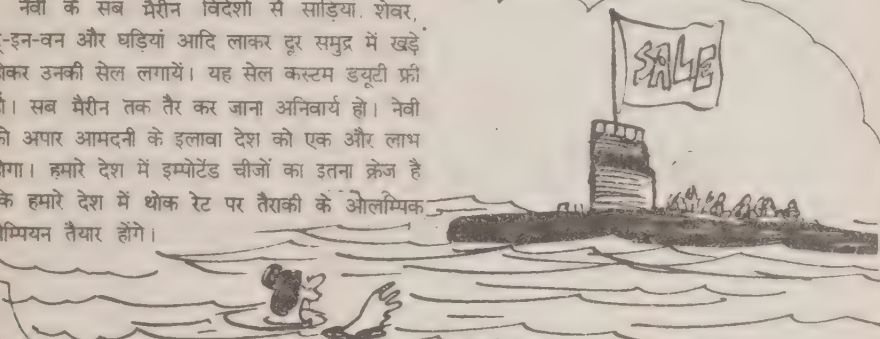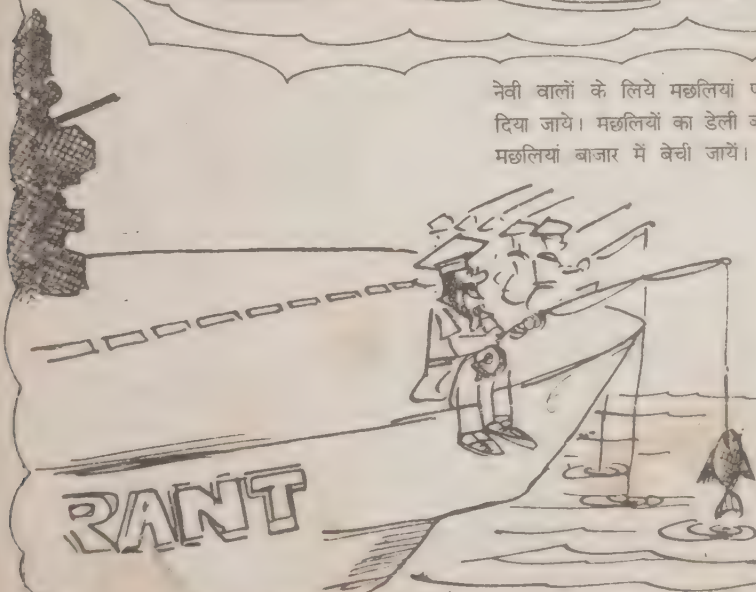
सरकार टोमेटो सॉस बनाने के काम का राष्ट्रीयकरण करे और वायुसेना के जहाज उड़ान भर कर बमों की जगह पेठे और कद्दू सरकारी सॉस फैक्ट्रियों के विशाल टैंकों में गिरायें। कद्दू का पेठों का मलीदा बन जायेगा जो सॉस बनाने के काम लाया जाये। निशाने बाजी की प्रैक्टिस भी हो जायेगी।
टैंकों को किराये पर जिमनास्टों को बार एकसरसाइज करने के लिये दिया जा सकता हैं।
टैंकों को किराये पर क्रिकेट एसोसियेशनों को दिया जाये। टैंक गोलों की जगह गैंदों की फायरिंग करें। बल्लेबाजों को तेज़ गैंदबाजी खेलने की प्रैक्टिस कारवाई जा सकेगी।
टैंकों की पहियों की चेन पर उचित डिजाइन बनवा कर साडियों पर छपाई का काम भी करवाया जा सकता है।
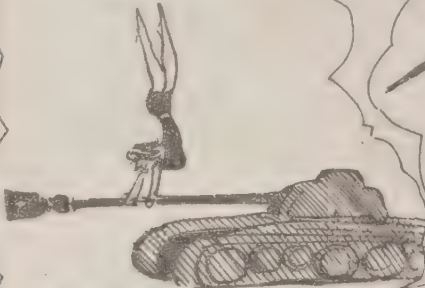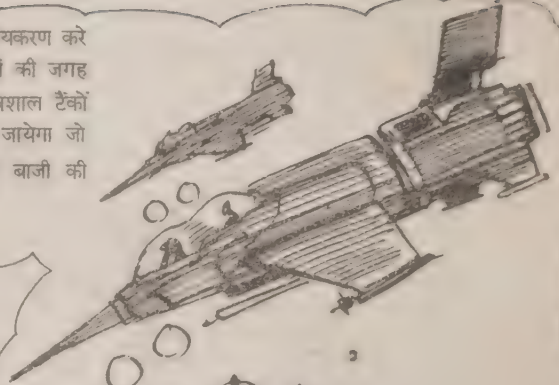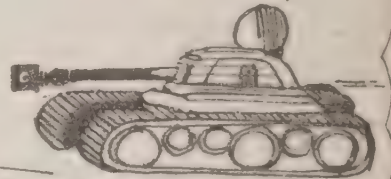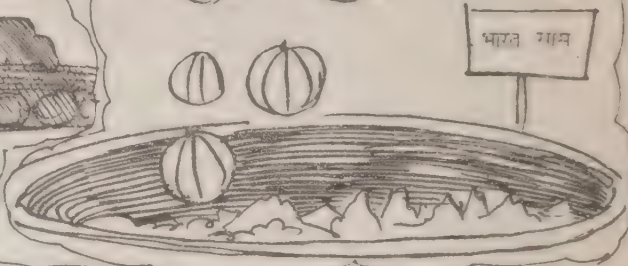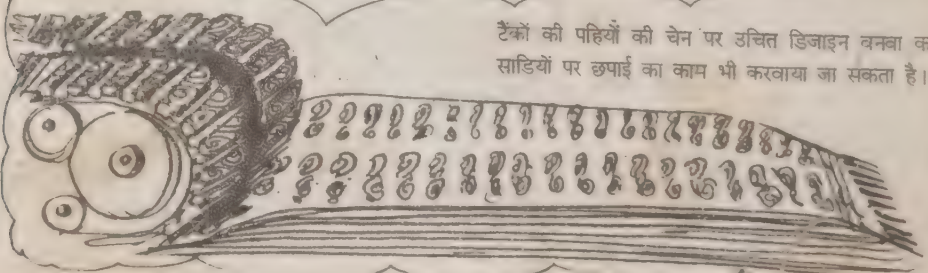
टैंकों को भाड़े पर म्यूनिसिपल कमेटियों को सड़कों की रोड़ी कूटने के लिये दिया जाये।
सेना के हैलीकॉप्टर ठेके पर ताड़ के पेड़ों से ताड़ी इकट्ठी करने का काम करें।
IAF BAND
सेनाओं के बैंड शादी ब्याहों में काम में लाये जायें। अच्छी कमाई होगी।

# दीवाना फ्रेंड्स क्लब

सतीश कुमार म.न. ४२६९, गली नं. ९, अजीत नगर, दिल्ली-६, वर्ष १६, पत्र- मित्रता.

अशोक कुमार जोशी, वर्दी स्टेशन दलौदा मंदसौर (म. प्र.), २४ वर्ष, दीवाना पढ़ना, फिल्में देखना.

इकबाल हसन सूबेदार कडबी बाजार, मस्तान गज, अमरावती. १८ वर्ष, पत्र-मित्रता करना.

लक्ष्मण श्रेष्ठ, विश्व निकेतन मा- मिक विद्यालय त्रिपुरेश्वर, मांडों, नेपाल, १५ वर्ष.
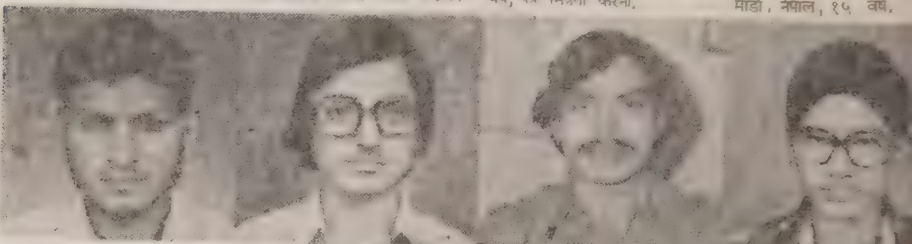
गुलवीर सिंह, रामपार्क कोठी नं २०१, लोनी, पत्र मित्रता, आपस में मेल जोल, पढ़ना.

अनिल दुर्धामिकन्दर, किशोर सदन नशशानी बाडा. २० वर्ष कैरम खेलना. पत्र-मित्रता.

विनोद कुमार मक्खनपुर, मैनपुरी उ. प्र पिन १०५१८५, २० वर्ष डाकटिकट, सिक्के, पर्यटन,

अनिल मारवाड़ी, १९८ प्रेम हिसार, २० वर्ष, घूमाना-फिरना दूसरों की सेवा करना
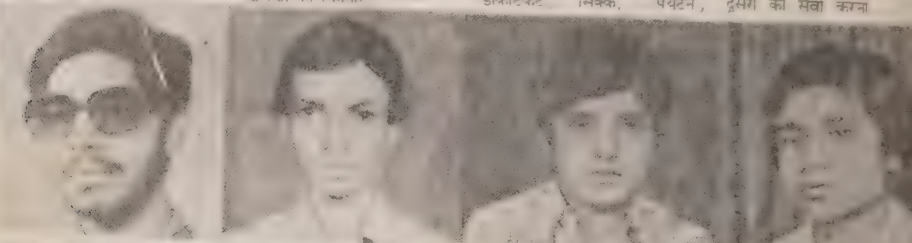
मृनेन्द्र वार्ष्णेय नन्द द्वारा डा ब्रजपाल वार्ष्णेय वजीरगंज (बदायूं), १७ वर्ष, स्टाम्पकलैक्शन.

सतीश चन्द स्वर्णकार, कल्लुराम फुलचन्द, स्वर्णकार नगर, (भरतपुर), १३ वर्ष, क्रिकेट खेलना.

संजय कुमार, चौराहा गल्ला मुरादाबाद यू पी., १८ वर्ष, हाकी खेलना।

गोपाल सिंह बघेल, डिपो बजरंग बाग, ... १६ वर्ष, फिल्म देखना, घुड़सवारी
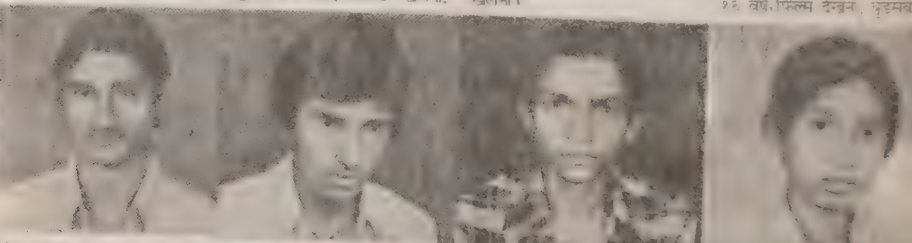
विनोद निगम ११८/२३१ गुमटी नं ५, कानपुर (उ. प्र.) २१ वर्ष दोस्ती करना, टिकट संग्रह

श्याम सिंह बिसेन, लक्ष्मी टाकीज के पीछे, गाडिपुरा नांदेड, (महाराष्ट्र), २१ वर्ष, जुआ खेलना,

राजीव अग्रवाल, गोंदावतनो की गली, हनुमान हत्था बीकानेर, १५ वर्ष, टिकट संग्रह.

अजय श्रीवास्तव ३७ ... बी पाच ई एल हरद्वार, १६ वर्ष बैडमिंटन.

**दीवाना फ्रैंडस क्लब** के मेम्बर बन कर फ्रैंड्शिप के कालम में अपना फोटो छपवाइये। मेम्बर बनने के लिए कूपन भर कर अपने पासपोर्ट साइज के फोटोग्राफ के साथ भेज दीजिये जिसे दीवाना तेज साप्ताहिक में प्रकाशित किया जायेगा। फोटो के पीछे अपना पूरा नाम लिखना न भूलें।

...श कुमार पटनायक. केवड़ा ...ड़ी चौक, रायगढ़ (म. प्र.), ...६००१, २० वर्ष, पत्र-मित्रता,

रणजीत सिंह, होशियार पुर, कृष्ण नगर, गली नं. ५, १५ वर्ष, दिवाना पढ़ना.

हिदायत हुसैन, कटरा आलम शाह, बदायूं यू. पी., २४ वर्ष, फोटो खिंचाना व फोटो बनाना
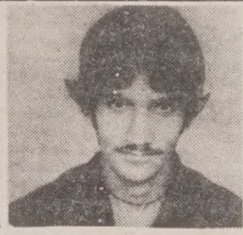
ओम प्रकाश पंथ, गांव व पोस्ट आफिस टटैहल, तहसील पालमपुर, जिला (कांगड़ा), २० वर्ष.

...सलम शेरखान, गिव एण्ड टेक ...लर, धनवाद (बिहार), १८ वर्ष, ...वाना पढ़ना,

वीरेन्द्र जुनेजा, विंग नं. ३/६/३प्रेम नगर, (देहरादून), १९ वर्ष, क्रिकेट खेलना, दीवाना पढ़ना.
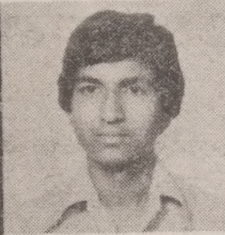
राजीव कुमार, विशन नगर, १०११९/५, पटियाला १७ वर्ष दीवाना पढ़ना, पत्र-मित्रता.

नरेश कोठारी, दुकान नं.: ३० मण्डी कालांवाली (सिरसा), १७ वर्ष, पत्र मित्रता.

...दन सिंह, रानाआली, डिब्रूगढ़ (आसाम), २८ वर्ष, दूसरों की ...कल करना.
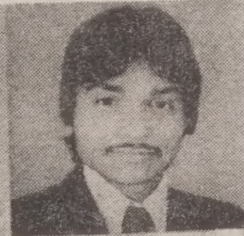
अख्तर हुसैन अख्तर, डोरण्डा रांची बिहार, नईम पान दुकान, १९ वर्ष फिल्म एक्टर, लेखन.

श्याम एस. शामवाणी, 'श्याम निवास,' ५७ पक्की खोली, अकोला, १५ वर्ष
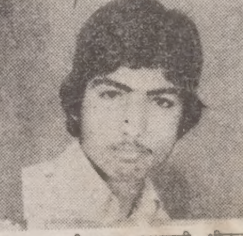
लखमी चन्द माधवानी, श्रीचन्द क्लाथ स्टोर, घन्टाघर के पास मैहर, १९ वर्ष, दीवाना पढ़ना.

...विजय वर्मा, श्री अमरनाथ वर्मा, ...पतराम नगर, नरवाना, [illegible] वर्ष, दीवाना पढ़ना.

मनोज कुमार जख्मी श्री एस. आर. न्यूटोर बड़ाजामदा, बिहार जूडो कराटे खेलना.

**हमारा पता: दीवाना फ्रैंडस क्लब ८-बी, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-११०००२. कृपया अपना नाम व पता हिन्दी में साफ-साफ लिखें।**

नाम ————————————

पता ————————————

————————————

आयु ——————— शौक ————

तेज प्रेस, नया बाजार, दिल्ली में तेज प्राइवेट लिमिटेड के लिए पन्नालाल जैन द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित प्रबन्ध सम्पादक विश्वबन्धु गुप्ता।

# दीवाना-कैमल

## रंग प्रतियोगिता

निःशुल्क प्रवेश

पुरस्कार अ
कैमल-पहला इना
कैमल-दूसरा इना
कैमल-तीसरा इना
कैमल-आश्वासन
दीवाना-आश्वासन
कैमल-सर्टिफिकेट

केवल १२ वर्ष तक के विद्यार्थी प्रतियोगितामें शामील हो सकते हैं। ऊपर दिये गये चित्रमें अपने मनचाहे कैमल रंग भर दि
रंगीन प्रवेश-पत्र नीचे दिये गए पत्ते पर भेजिए, दीवाना, ८-बी, बहादूर शहा जाफर मार्ग, नयी दिल्ली ११०००२
परिणाम का निर्णय अन्तिम निर्णय होगा। और कोई भी पत्रव्यवहार, नहीं किया जाएगा।

नाम ........................................................................ उम्र ....................

पता ..................................................................................................

कृपया ध्यान रखिए कि पूरा चित्र पेंट किया जावे।
चित्र भेजने की अंतिम तारीख: १५-१२-८१

CONTEST

कुमार गौरव
छायाकार : जगमोहन
दीवाना
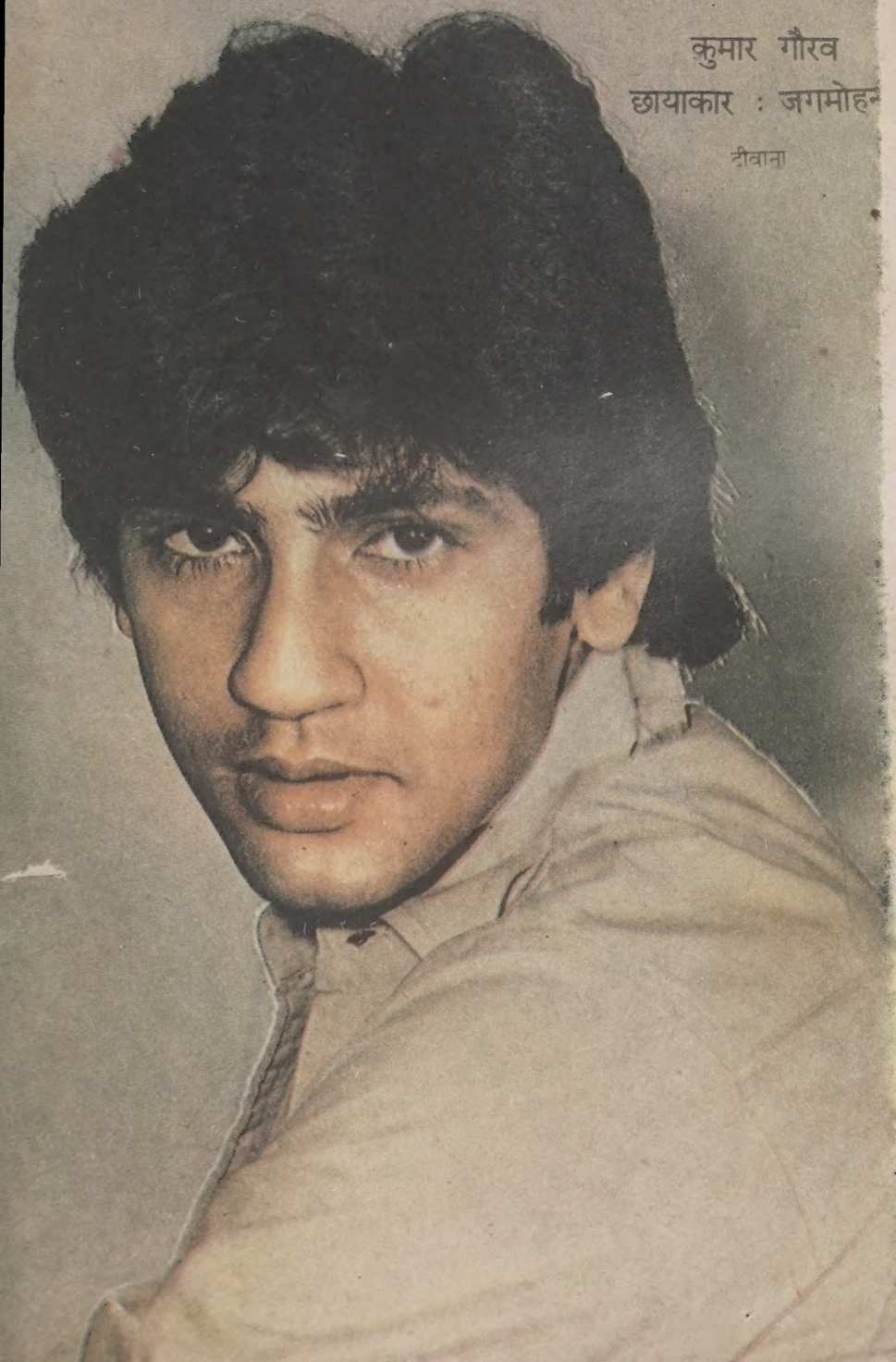
# कुमार गौरव का टांका पूनम ढिल्लों से जुड़ा

आज फिल्म उद्योग में कलाकारों के बेटे प्रवेश कर रहे हैं और इस युवा पीढ़ी के कलाकारों में आगे बढ़ने के लिये एक दूसरे में होड़ लगी हुई है। जिस तरह पृथ्वीराज कपूर ने अपने तीन बेटे फिल्मी दुनिया को दिये उसी प्रकार कई कलाकारों ने अपने बेटे फिल्मी पर्दे पर पेश किये हैं। इनमें राजकपूर, राजेन्द्र कुमार, सुनील दत्त, महमूद, प्रेमनाथ, मनोज कुमार, शशि कपूर वगैरह वगैरह के नाम प्रमुख हैं जिन्होंने अपने पुत्रों को अपनी ही तरह चमकाने का फैसला कर लिया है।

युवा कलाकारों में आज कुमार गौरव और संजय दत्त के नाम उल्लेखनीय हैं। एक तरफ 'लव स्टोरी' में जहां कुमार गौरव प्रसिद्धि पायी है वहीं 'राकी' की सफलता ने संजय दत्त को चमकाया है।

आज चर्चे हैं कुमार गौरव के और पूनम ढिल्लों के अपनी युवा जोड़ी बनाने में। 'तेरी कसम' दोनों की आनेवाली फिल्म है। 'लवस्टोरी' में कुमार गौरव और विजयता के अभिनय की जहां प्रशंसा हुई थी वहीं इन दोनों कलाकारों के रोमांस की बातें भी चलीं। कुछ फिल्मी लोगों ने तो यहां तक कहा कि कुमार गौरव और विजयता दोनों विवाह कर लेंगे।

लेकिन 'लवस्टोरी' के प्रदर्शन के बाद राजेन्द्र कुमार ने अचानक फैसला बदल दिया और कुमार गौरव को इस बात से मना किया कि भविष्य में वह विजयता के साथ फिल्में साइन ना करे। लिहाजा अब वह निर्माता जो कुमार गौरव को साइन करना चाहते थे उन्हें पूनम ढिल्लों की तरफ भेज दिया गया। विजयता को 'लवस्टोरी' की सफलता का वह क्रैडिट नहीं मिल पाया जो मिलना चाहिये था।

विजयता की बहन सुलक्षणा पंडित ने स्पष्ट तौर पर राजेन्द्र कुमार पर आरोप लगाया कि उसने विजयता का कैरियर बरबाद किया है। कुमार गौरव को मना किया है कि विजयता के साथ फिल्में साइन ना करे।

जबकि दूसरी तरफ राजेन्द्र कुमार ने स्पष्ट किया है कि उसने 'लवस्टोरी' में कुमार गौरव और विजयता दोनों को बराबर अभिनय करने का मौका दिया है। दोनों कलाकारों को बराबर पब्लीसिटी दी है। अब कुमार गौरव और विजयता दोनों 'ओपन मार्किट' में हैं। निर्माता जिसे साइन करना चाहते हैं कर रहे हैं। अगर कोई निर्माता पूनम ढिल्लों के साथ कुमार गौरव को चुन रहा है तो इसमें उसका क्या दोष है?

विजय भारद्वाज